राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 209 पटना (बिहार) शनिवार, 31 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के काराकाट में 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया: प्रधानमंत्री

बिहार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बिहार के काराकाट में 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस पवित्र भूमि पर बिहार के विकास को गति देने का सौभाग्य मिला है और उन्होंने 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने उन्हें आशीर्वाद देने के लिए आए विशाल जनसमूह का आभार व्यक्त किया और बिहार के प्रति उनके स्नेह और प्रेम के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और जोर देकर कहा कि वे हमेशा उनके समर्थन को सर्वोच्च सम्मान देते हैं। उन्होंने बिहार की माताओं और बहनों के प्रति असीम सम्मान व्यक्त किया। सासाराम के महत्व पर टिप्पणी करते हुए तथा इस बात पर बल देते हुए कि इसका नाम भी भगवान राम की विरासत को दशार्ता है, श्री मोदी ने भगवान राम की वंशावली की गहरी जड़ों वाली परंपराओं पर प्रकाश डाला, तथा अटूट प्रतिबद्धता के सिद्धांत एक बार जो वादा किया जाता है, उसे पूरा किया जाना चाहिए- को रेखांकित किया। उन्होंने पुष्टि की कि यह मार्गदर्शक तत्व अब न्यू इंडिया की नीति बन गया है। श्री मोदी ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले को याद किया, जिसमें कई निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी। उन्होंने कहा कि जघन्य हमले के ठीक एक दिन बाद, उन्होंने बिहार का दौरा किया था तथा राष्ट्र के समक्ष यह पवित्र संकल्प किया था कि आतंक के साजिशकताओं को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें ऐसी सजा मिलेगी, जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि आज, जब मैं एक बार फिर से बिहार में आया हूं, तो उस प्रतिज्ञा को पूरा कर चुका हूं।

श्री मोदी ने कहा, जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया ह्ह उन्होंने कहा, भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या होती है, यह पाकिस्तान ने भी देखी और दुनिया ने भी देखी। उन्होंने कहा कि जो आतंकवादी कभी पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में खुद को सुरक्षित महसूस करते थे, उन्हें भारत की सेना ने एक ही निर्णायक कार्रवाई में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के एयरबेस और सैन्य प्रतिष्ठान मिनटों में नष्ट कर दिए गए। उन्होंने कहा, यह नया भारत है - अपार शक्ति और गतिशीलता वाला भारत। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार वीर कुंवर सिंह की भूमि है, जो अपनी वीरता के लिए जानी जाती है। उन्होंने देश की रक्षा के लिए भारतीय सशस्त्र बलों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में सेवा देने वाले बिहार के हजारों युवाओं के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ द्वारा दिखाए गए असाधारण पराक्रम और अदम्य साहस पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया ने उनकी अद्वितीय बहादुरी देखी है। प्रधानमंत्री ने पुष्टि की कि भारत की सीमाओं पर तैनात बीएसएफ के जवान सुरक्षा की अटूट ढाल हैं, जिनका सबसे पहला कर्तव्य भारत माता की रक्षा करना है। उन्होंने बिहार के वीर सपूत के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए सीमा पर अपना कर्तव्य निभाते हुए 10 मई को शहीद हुए बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर श्री इम्तियाज को भी श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने बिहार से अपने वक्तव्य को दोहराते हुए रेखांकित किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत द्वारा प्रदर्शित शक्ति उसके तरकश का मात्र एक तीर थी। श्री मोदी ने कहा, भारत की लड़ाई देश के हर दुश्मन के खिलाफ है, चाहे वे सीमा पार से हों या देश के अंदर। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिहार ने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में हिंसक और विघटनकारी ताकतों का सफाया कैसे किया गया है। उन्होंने सासाराम, कैमूर और आसपास के जिलों की पिछली स्थितियों को याद करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे एक समय नक्सलवाद इस क्षेत्र पर हावी था और बंदूकों से लैस नकाबपोश आतंकवादियों का डर लोगों के लिए लगातार खतरा बना रहता था। श्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाओं की घोषणा तो की जाती थी, लेकिन वे अक्सर नक्सल प्रभावित गांवों में लोगों तक नहीं पहुंच पाती थी, जहां न तो अस्पताल हैं और न ही मोबाइल टावर। यहां तक कि स्कूल भी जला दिए जाते थे। सड़क निर्माण श्रमिकों को अक्सर निशाना बनाया जाता था और उनकी हत्या कर दी जाती थी। श्री मोदी ने कहा कि इन तत्वों को बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान में कोई विश्वास नहीं है। उन्होंने सराहना की कि इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, नीतीश कुमार ने विकास की दिशा में काम किया, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2014 के बाद से इस दिशा में प्रयासों में काफी तेजी आई है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि माओवादियों को उनके कृत्यों के लिए न्याय के कटघरे में लाया गया और युवाओं को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों के दृढ़ प्रयासों के परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत में 125 से अधिक जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे,

संक्षिप्त समाचार

बिहार के सभी हेडमास्टर और शिक्षकों को करना होगा अब यह जरूरी काम,

संवाददाता द्वारा

पटनाः शिक्षा विभाग के एसीएस एस. सिद्धार्थ ने राज्य के सभी स्कूलों के हेडमास्टर और प्रभारी शिक्षक को अब निजी स्कूलों की तर्ज पर राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में भी शिक्षक और अभिभावक के बीच संवाद आयोजित करने का निर्देश दिया है। शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक, मध्य, उच्च एवं उच्चतर विद्यालयों में 31 मई यानी शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में अभिभावकों की भागीदारी को मजबूत करना है। इसके क्रियान्वयन को लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सभी स्तर के स्कूलों के प्रधानाध्यापक और प्रभारी शिक्षक को निर्देश जारी किया है।

इस निर्देश में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गर्मी की छुट्टियों से पहले 'पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम' विषय पर आयोजित होने वाले संगोष्ठी का आयोजन काफी महत्वपूर्ण है। इस संगोष्ठी में स्कूल के शिक्षक और अभिभावकों के बीच छात्रों की शिक्षा, पुस्तक वितरण, गृहकार्य, स्कूल वातावरण और अनुशासन के मुद्दों पर खुलकर चर्चा होगी। इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए गये हैं।

कक्षा में 01 अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रमों और अभ्यास पुस्तिका का छात्र छुट्टियों में घर पर रहकर रिवीजन करेंगे। इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि वे बच्चों को समझाकर पढ़ाए गए पाठ्यक्रम का पुर्नअभ्यास कराएं।

छुट्टियों के दौरान छात्रों को पढ़ने के लिए घर पर एक ह्यपढ़ाई का कोना' (स्टडी कॉर्नर) विकसित किया जाए। निर्धारित कोने में कुर्सी या फर्श पर चटाई या बोरा बिछाकर बैठने के लिए जगह बनायी जाए। साथ ही दीवार पर कुछ पोस्टर और रुटीन चिपकाकर पढ़ने का माहौल तैयार किया जाए।

इस मीटिंग के दौरान शिक्षक अभिभावकों को गर्मी की छुट्टी में छात्रों को दिए गये होमवर्क के बारे में जानकारी देंगे। सभी कक्षाओं के लिए एससीईआरटी ने गृहकार्य निर्धारित किया है और इसे ई-शिक्षाकोष पर उपलब्ध कराया गया है। शिक्षक अभिभावकों को ई-शिक्षाकोष से गृहकार्य की प्रति डाउनलोड कर उपलब्ध कराएंगे।

इसके साथ ही वर्ग शिक्षक अभिभावकों से छात्रों को मिलने वाले पाठ्य पुस्तक, अभ्यासपुस्तिका, डायरी एवं टीएलएम किट के संबंध में अवगत कराएंगे और उसके रखरखाव के संबंध में चर्चा करेंगे।

पाठ्यपुस्तक के मुख पृष्ठ और पिछले पन्ने पर यातायात के नियम, साफ-सफाई, समाज में बच्चों का कैसा आचरण हो, कतार में खड़े रहना, वातावरण की साफ-सफाई एवं नागरिक बोध लिखे गए हैं, जिसे अभिभावक समझकर छुट्टी के दौरान बच्चों के साथ चर्चा करें।

विद्यालय के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों से सुझाव भी लिए जाएंगे। इन प्रमुख निदेशों के अलावा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने आशा व्यक्त की है कि छात्र छुट्टियों के दौरान विभिन्न जगहों पर जाएंगे और परिवार के साथ भरपूर आनंद लेंगे।

आतंक का फन अगर फिर उठा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचल देगा , पीएम मोदी

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रोहतास : "प्रभु श्रीराम की रीति अब नए भारत की नीति बन गई है, 'प्राण जाए पर वचन न जाई.' पहलगाम के जघन्य आतंकी हमले के एक दिन बाद मैं बिहार आया था और मैंने बिहार की धरती से देश से वादा किया था, वचन दिया था. बिहार की धरती से मैंने कहा था कि उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी. आज जब मैं बिहार आया हूं, तो अपना वचन पूरा करने के बाद आया हूं." कुछ इसी अंदाज में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोहतास से हुंकार भरी. 'अपना वचन पूरा करने के बाद आया हूं' : ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार दो दिवसीय दौरे पर बिहार आए पीएम मोदी ने कहा कि, "बिहार की धरती से आंख में आंख मिलाकर हमने कहा दिया था कि आतंक और आतंक के आकाओं के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा. आज जब मैं बिहार आया हूं, तो अपना वचन पूरा करने के बाद आया हूं." "जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था. हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया. आतंकवाद के खिलाफ भारत

की लड़ाई न रुकी ही, न थमी है. आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम करेगा."- नरेन्द्र नोदी, प्रधानमंत्री 'ये नए भारत की ताकत है' : पीएम मोदी ने कहा कि, पाकिस्तान के एयरबेस, उनके सैन्य ठिकाने हमने कुछ ही मिनट में तबाह कर दिए. ये नया भारत है, ये नए भारत की ताकत है. भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या होती है. ये पाकिस्तान ने भी देखी और दुनिया ने भी देखी! "जिस पाकिस्तानी सेना की छत्रछाया में आतंकी खुद को सुरक्षित मानते थे. हमारी सेनाओं ने एक ही झटके में उनको भी घुटनों पर ला दिया. जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था. हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया."- नरेन्द्र नोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने हुंकार भरते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, हमारे कितने निर्दोष नागरिक मारे गए. इस जघन्य आतंकी हमले के एक दिन बाद मैं बिहार आया था और मैंने बिहार की धरती से देश से वादा किया था, वचन दिया था. उस वचन को पूरा करने के बाद ही बिहार आया हूं.

"हमारी लड़ाई देश के हर दुश्मन से है, फिर वो चाहे सीमा पार हो या देश के भीतर हो. बीते वर्षों में हमने हिंसा और अशांति फैलाने वालों का कैसे खात्मा किया है, बिहार के लोग इसके साक्षी हैं."- नरेन्द्र नोदी, प्रधानमंत्री शहीद इम्तियाज को श्रद्धांजलि : पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने हमारी इरऋका भी अभूतपूर्व पराक्रम और अदम्य साहस देखा है. हमारी सीमाओं पर तैनात इरऋके जाबांज सुरक्षा की अभेद चट्टान हैं. मातृभूमि की सेवा का पवित्र कर्तव्य निभाते हुए 10 मई को सीमा पर इरऋसब-इंस्पेक्टर इम्तियाज शहीद हो गए थे. मैं बिहार के इस वीर बेटे को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं.

"कुछ समय पहले यहां मुंह पर नकाब लगाए, हाथों में बंदूक थामें नक्सली कब कहां सड़कों पर निकल आएं, हर किसी को ये खौफ रहता था. 2014 के बाद हमने इस दिशा में और तेजी से काम किया, हमने माओवादियों को उनके किए की सजा देनी शुरू की. 2014 से पहले देश में 125 से ज्यादा जिले नक्सल प्रभावित थे, अब सिर्फ 18 जिले नक्सल प्रभावित बचे हैं. वो दिन दूर नहीं, जब माओवादी हिंसा का पूरी तरह से खात्मा हो जाएगा."- नरेन्द्र नोदी, प्रधानमंत्री

अगर राहुल गांधी पीएम होते तो भारत का होता पीओके :, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/जम्मूः बीजेपी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए की गई पीओके की टिप्पणी को हस्यापद करार दिया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने तेलंगाना सीएम पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते, तो पीओके अस्तित्व में होता। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि देश को राहुल गांधी के नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा था कि कहा था कि अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस ले लेता। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा सैन्य हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल्दबाजी में किए गए युद्धविराम की आलोचना की थी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा था कि मोदी बंद हो चुके 1,000 रुपये के नोट की तरह हैं। अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो हम अब तक पीओके को वापस ले लेते। वे हैदराबाद में जय हिंद रैली में बोल रहे थे, जिसका आयोजन ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों की भूमिका के सम्मान में किया गया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का नेतृत्व 1971 के युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी के नेतृत्व जैसा होता। रेवंत ने कहा था कि इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी को इस देश का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। अगर वह प्रधानमंत्री बनते हैं, तो वह एक तरफ पाकिस्तान और दूसरी तरफ चीन को हराएंगे और हमारे स्वाभिमान को बनाए रखेंगे। आज भारत को इसी तरह के नेतृत्व की जरूरत है। इससे पहले रेवंत रेड्डी ने पूछा था कि भारत के कितने विमान गिरे। बीजेपी ने रेवंत रेड्डी के बयान की कड़ी आलोचना की थी। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू में कहा कि यह हास्यास्पद है अगर कोई

कांग्रेस नेता कहता है कि अगर राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री होते, तो पीओके भारत का हिस्सा होता। लेकिन सच यह है कि अगर राहुल गांधी के परनाना पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते, तो आज पीओजेके नहीं होता। यह उनके कार्यों का परिणाम है कि पहले देश का बंटवारा हुआ और फिर जम्मू-कश्मीर का बंटवारा हुआ। सिंह ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जब भारत-पाकिस्तान युद्ध चल रहा था और हमारी सेनाएं पीओके को वापस जीतने की स्थिति में थीं, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बिना किसी से सलाह किए आकाशवाणी पर एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात दौरे में कहा था कि अगर देश के विभाजन के वक्त सरदार पटेल की सुनी गई होती तो आज पीओके की समस्या नहीं होती

नीतीश कुमार का बिहार चुनाव से पहले मास्टर स्ट्रोक

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सवर्ण आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है. राज्यपाल की स्वीकृति के बाद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधान पार्षद महाचंद्र प्रसाद सिंह को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इसके साथ ही आयोग के अन्य सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी गई है. महाचंद्र प्रसाद सिंह का राजनीतिक सफरः तिरहुत क्षेत्र से आने वाले महाचंद्र प्रसाद सिंह का लंबा राजनीतिक कैरियर रहा है. वे विधान पार्षद रह चुके हैं और वर्तमान में भाजपा संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत थे. उनकी नियुक्ति को सवर्ण समाज के लिए एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है. आयोग में किन सदस्यों को किया गया नियुक्तः सवर्ण आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में राजीव रंजन प्रसाद को नियुक्त किया गया है. इसके अलावा, दरभंगा के दयानंद राय, समस्तीपुर के जय कृष्ण झा और भागलपुर के राजकुमार सिंह को आयोग का सदस्य बनाया गया है. 'गरीब सवर्णों की आवाज को मिलेगा बल': आयोग के अध्यक्ष बनने पर डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने इस दायित्व को सामाजिक विश्वास और सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि

ये उनके लिए गर्व का क्षण है. डॉ. सिंह ने इसे सवर्ण समाज की भावनाओं और संघर्षों का सम्मान करार दिया. "ये नियुक्ति न केवल मेरे लिए व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि उन लाखों गरीब और पिछड़े सवर्ण परिवारों की आकांक्षाओं की स्वीकृति है, जो वर्षों से अपनी समस्याओं के लिए संघर्षरत हैं. आयोग समाज की सेवा का माध्यम बनेगा. ये जमीनी सरोकारों को उठाने, नीतिगत सुझाव देने और सरकार के साथ समन्वय बनाकर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगा."- डॉ. महाचंद प्रसाद सिंह, अध्यक्ष, सवर्ण आयोग चुनाव से पहले सवर्ण वोटरों को साधने की कोशिश!: डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेतृत्व को इस विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और समाज के सभी वर्गों से मिली शुभकामनाओं के लिए भी आभार जताया. बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सवर्ण आयोग का गठन नीतीश सरकार की सवर्ण वोटरों को लुभाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है.

तेज प्रताप के बाद लालू- तेजस्वी को एक और सियासी टेंशन,

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः कुछ ही महीनों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई है। हालांकि, इसमें कई तरह की शर्त रखने की बात कही जा रही है। ओवैसी की पार्टी अपनी शर्तों पर आरजेडी में आना चाह रही है। तेजस्वी यादव की ओर से हरी झंडी मिलने का इंतजार किया जा रहा है। हाल में एआईएमआईएम प्रवक्ता आदिल हसन ने मीडिया से कहा था कि महागठबंधन में शामिल होने को लेकर हम बहुत सकारात्मक हैं। हमारी विचारधारा भाजपा को हराना और बिहार को सशक्त बनाना है। उन्होंने आगे कहा था कि 2020 में भी पार्टी ने महागठबंधन का हिस्सा बनने का अनुरोध किया था। हमारा उद्देश्य भाजपा को हराना है। बिहार में एनडीए सरकार पूरी तरह विफल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वर्तमान स्थिति जगजाहिर है। 2014 में बिहार ने एनडीए को 32 सांसद भेजे, 2019 में 39 और 2024 में 30, फिर भी भाजपा ने बिहार को कुछ नहीं दिया। एआईएमआईएम नेता ने दावा किया कि सारा निवेश गुजरात में जा रहा है, जबकि बिहार के मजदूर काम के लिए वहां जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी भी बिहार को 'बीमारू' राज्य के टैग से ऊपर उठाने पर केंद्रित बैठक नहीं की। उन्हें बिहार से केवल लिट्टी, लीची, क्रिकेटर और चाय ही याद है। एआईएमआईएम प्रवक्ता का दावा है कि राजद

महागठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने की ख्वाहिश रखते हैं। एआईएमआईएम ने कभी भी मुख्यमंत्री पद का लक्ष्य नहीं रखा है। हमारी मांगें आर्थिक पैकेज और सीमांचल के लिए विशेष दर्जे तक सीमित हैं। अगर राजद सहमत है, तो हम हाथ मिलाने के लिए तैयार हैं। विभिन्न सरकारों को समर्थन देने के उदाहरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस तेलंगाना में एआईएमआईएम को सम्मान दे सकती है, तो तेजस्वी यादव को बिहार में भी उदारता दिखानी चाहिए। हम यूपीए में साथ रहे हैं, तो समस्या क्या है? उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी उदारता की कमी से केवल तीसरे पक्ष को ही फायदा होगा। सियासी जानकारों की मानें, तो आरजेडी ओवैसी की पार्टी की शर्तों को मानेगी, ऐसा फिलहाल नहीं दिखता है। उधर, ओवैसी की पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर तैयार कर रही है। जमीनी स्तर पर मुस्लिम वोटरों को एकजुट किया जा रहा है। बूथ स्तर पर प्लान तैयार है। जानकार बताते हैं कि ओवैसी के एक्टिव होने से तेजस्वी और लालू यादव दोनों तनाव में हैं। उनका मानना है कि बिना ओवैसी को साथ लिए उनके जो पहले वाले मुस्लिम वोटर हैं, उन्हें साधना जरूरी है। उधर, ओवैसी लालू यादव के कोर वोटरों को साधने में लगे हुए हैं।

एनएच-28 पर आपस में टकराए कई वाहन, एक युवक की मौत

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28 के रूपनपट्टी इलाके में देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे यातायात भी कुछ समय के लिए बाधित रहा।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब एनएच-28 पर अचानक कई वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। हादसे में एक बाइक, एक कार और एक ऑटो रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गए और सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के पुर्जे सड़क पर बिखर गए थे और जख्मी लोग सड़क किनारे तड़पते हुए पाए गए। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए सकरा रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक बाइक सवार युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त अब तक नहीं हो सकी है। वहीं एक महिला सहित तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने एनएच-28 पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दुर्घटना के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने दुर्घटनास्थल पर यातायात को रोक दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस के समझाने के बाद स्थिति कुछ देर बाद नियंत्रित हो सकी। घटना की जानकारी मिलते ही सकरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। थाना प्रभारी राजू कुमार पाल ने बताया कि यह सड़क हादसा आपसी टक्कर के कारण हुआ है। एक युवक की मौत हो चुकी है, जो बाइक सवार था और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हुई।

राहुल गांधी की पीएम मोदी को चिट्ठी, पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज देने की मांग की। उन्होंने अपने पुंछ दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। आज संकट के समय में हमारा कर्तव्य है कि हम उनके दुख को समझें और उनके जीवन को फिर से संवारने के लिए हरसंभव मदद करें। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चिट्ठी में लिखा, 'मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए हैं। कई पीड़ितों ने बताया कि उनकी वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद हो गई।'

शशि थरूर को लेकर बोले सिसोदिया, कांग्रेस को उनके बयान से आपत्ति है तो यह उनकी पार्टी का अपना निर्णय है

जालंधर। पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जिस तरह से पाकिस्तानी सेना बौखला गई और आतंकियों के समर्थन में भारत के खिलाफ हमले की कोशिश में लग गई, उसके बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब ने पाकिस्तान की सेना को घुटने पर ला दिया। अब पाकिस्तान का आतंकी चेहरा दुनिया के सामने बेनकाब करने के लिए भारत की तरफ से विदेशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को भेजा गया है। उसमें से एक प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के नेता और सांसद शशि थरूर भी शामिल हैं। वह दुनिया में लगातार कई देशों में जाकर पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब कर रहे हैं। लेकिन, भारत में उनको लेकर सियासी पार्टियों के बीच खूब बयानबाजी हो रही है। शशि थरूर की पार्टी कांग्रेस के नेता ही उनके इस व्यवहार से खुश नजर नहीं आ रहे हैं, जिसकी वजह से कांग्रेस को तमाम आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसे में पंजाब के जालंधर पहुंचे आप के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा से जब शशि थरूर को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने जो कहा वह कांग्रेस के लिए भी परेशानी खड़ी करने वाला है।

छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटालाः सुप्रीम कोर्ट ने रानू साहू सहित 20 आरोपियों को दी अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ खनन लेवी घोटाला मामले में आरोपी छत्तीसगढ़ काडर की आईएएस अधिकारी रानू साहू और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सचिव सौम्या चौरसिया समेत करीब एक दर्जन आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त अंतरिम जमानत दे दी है। आईएएस अधिकारी रानू साहू खनन घोटाले के मामले में अक्टूबर 2024 में गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक हिरासत में हैं। जबकि, बाकी आरोपी लंबे समय से जेल में बंद हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की बेंच ने इस आधार पर आरोपियों को सशर्त अंतरिम जमानत दी कि मुकदमे में लंबा समय लगने की संभावना है। इस मामले में आरोपियों को अंतरिम जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि आरोपी अगले आदेश तक छत्तीसगढ़ में नहीं रहेंगे। जब भी आवश्यकता होगी, तब बुलाने पर सभी अदालत के समक्ष उपस्थित होंगे। उन्हें अपने रहने के स्थान की जानकारी संबंधित पुलिस स्टेशन को भी देनी होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी गवाहों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित करते पाए जाते हैं तो इसे अंतरिम जमानत का दुरुपयोग माना जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे अंतरिम जमानत पर रिहा होने पर अपना पासपोर्ट तुरंत निचली अदालत में जमा कराएं। इसके साथ ही यह भी कहा कि आरोपियों को जांच में पूरा सहयोग करना होगा।

दिल्ली के महापौर ने मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ चलाया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता को बढ़ावा देने और देशभक्ति की भावना जगाने के लिए मालवीय नगर में तिरंगा यात्रा के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान युसुफ सराय से सुदर्शन रोड तक चला। इस सफाई अभियान में विधायक सतीश उपाध्याय और निगम पार्षद कमल भारद्वाज शामिल हुए। इस अवसर पर स्वच्छता को एक सतत जन आंदोलन बताते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने स्वच्छता अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य न केवल शहर की सुंदरता में सुधार करना है। बल्कि निवासियों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ाना है। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण है। स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है। पिछले 20 दिनों से इस पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में जन भागीदारी के साथ और नगर निगम और दिल्ली सरकार के सहयोग से मालवीय नगर क्षेत्र में क्षेत्र को साफ करने के लिए एकजुट हुए। जनता भी स्वच्छता का समर्थन कर रही है।

अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में आरोपी ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

एजेंसी
नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले की सुनवाई के दौरान ब्रिटिश नागरिक और घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, क्रिश्चियन मिशेल ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। इसी की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस मामले में राहत देने से साफ इनकार कर दिया।

क्रिश्चियन मिशेल ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा जमानत की शर्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे खारिज कर दिया गया। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर घोटाला मामले में क्रिश्चियन मिशेल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, इसके साथ ही कोर्ट ने शर्त रखी थी कि उसे भारत में अपने निवास के बारे में जानकारी

देनी होगी, जहां जमानत मिलने के बाद वह रहने वाला है। इसके बाद हाई कोर्ट की जमानत शर्त के खिलाफ क्रिश्चियन मिशेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी और इन जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। क्रिश्चियन मिशेल के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के सामने दलील दी कि हाई कोर्ट की ओर से रखी जमानत की शर्त में रिहाई से पहले एक स्थानीय पता देना शामिल है। जब तक वह बाहर नहीं आ जाता, यह शर्त पूरी नहीं की जा सकती। मिशेल का पासपोर्ट एक्सपायर हो चुका है और वह लोकल एड्रेस देने में असमर्थ है।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वह स्थानीय पता नहीं दे सकते तो बेहतर है कि वह तिहाड़ जेल में ही रहें, क्या कर सकते हैं! हमने आपको जमानत दे दी है, आप शर्त भी पूरी नहीं करना चाहते? अगर आपका परिवार आपको निर्देश दे सकता है तो यह भी कर सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल की जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग वाली उनकी याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया।

सेवानिवृत्त होने पर अर्धसैनिक बल के जवान को मिलेगा एक पद उच्च मानद रैंक

एजेंसी
नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स (एआर) के जवानों के सम्मान में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ऑफिसर रैंक से नीचे के जवानों को सेवानिवृत्ति के दिन एक पद उच्च मानद रैंक दिया जाएगा। इसकी जानकारी आज गृह मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार इस योजना का उद्देश्य जवानों के आत्मसम्मान और मनोबल को बढ़ावा देना है। लंबी और अनुकरणीय सेवा देने वाले जवानों को यह रैंक दिया जाएगा। इसके लिए कुछ शर्तें तय की गई हैं। जवान का सेवा रिकॉर्ड साफ होना चाहिए। पिछले पाँच वर्षों की एपीएआर रिपोर्ट कम से कम 'गुड' होनी चाहिए। किसी प्रकार की बड़ी सजा न मिली हो और ईमानदारी पर कोई संदेह न हो। साथ ही विभागीय जांच और सतर्कता मंजूरी भी जरूरी होगी। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि रैंक जवान को सेवानिवृत्ति के दिन दिया जाएगा। हालांकि, इस रैंक के साथ कोई आर्थिक या पेंशन लाभ नहीं मिलेगा। यह पूरी तरह से प्रतीकात्मक सम्मान होगा। यह रैंक उसी कैटेगरी में दी जाएगी जिसमें वह जवान कार्यरत रहा है।सीएपीएफ में कांस्टेबल को हेड कास्टेबल, हेड कांस्टेबल को एएसआई, एएसआई को सब-इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर की मानद रैंक दी जाएगी। इसी प्रकार, असम राइफल्स में राइफलमैन को हवलदार, हवलदार को वारंट ऑफिसर, वारंट ऑफिसर को नायब सूबेदार और नायब सूबेदार को सूबेदार की मानद रैंक दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल(सीएपीएफ) देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा, और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राघव चड्ढा को लंदन में 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस का मिला न्योता

एजेंसी
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा को प्रतिष्ठित 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया है। यह यूके के प्रसिद्ध थिंक टैंक 'ब्रिज इंडिया' द्वारा 30 मई को रॉयल लैंकेस्टर, लंदन में आयोजित की जाएगी। यह कॉन्फ्रेंस इंडिया वीक का प्रमुख हिस्सा है। इस कॉन्फ्रेंस में सांसद राघव चड्ढा बतौर स्पीकर शामिल होंगे। इस अहम कॉन्फ्रेंस में भारत के आर्थिक विकास और दुनिया में उसकी भूमिका पर गहरी चर्चा होगी। इसमें कई पॉलिसी मेकर्स और भारत के प्रतिष्ठित बिजनेसमैन शामिल होंगे। आप सांसद राघव चड्ढा लंदन में हो रही इस कॉन्फ्रेंस में एक खास चर्चा में हिस्सा लेंगे, जिसका नाम है, 'भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में'। इस चर्चा में वे भारत की रणनीतिक आजादी, दुनिया में बढ़ते प्रभाव और भारत की ग्लोबल नॉर्थ और साउथ के बीच एक पुल यानी ब्रिज की भूमिका पर अपने विचार साझा करेंगे। साथ ही, वे भारत की

हाल की उपलब्धियों, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के अलावा डिफेंस और डिप्लोमेसी में मिली सफलताओं के अलावा तकनीक व युवा नेतृत्व के योगदान पर भी बात करेंगे। 'आइडियाज फॉर इंडिया' कॉन्फ्रेंस के आमंत्रण पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद राघव चड्ढा ने कहा, मैं ब्रिज इंडिया और इंडिया वीक 2025 का हिस्सा बनकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। आइडियाज फॉर इंडिया कॉन्फ्रेंस भारत के भविष्य को आकार देने का एक शानदार मंच है। मुझे खुशी होगी कि मैं इस आयोजन में अपने विचार साझा कर सकूं और भारत के विकास और उसकी वैश्विक भूमिका पर अपने विचार साझा करने के लिए उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक हालात बदल रहे हैं, और भारत विकास के एक बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। जब बाकी देश व्यापार और सप्लाई चेन को मजबूत करने के बारे में सोच रहे हैं, तब भारत और ब्रिटेन के पास अपने रिश्तों को और बेहतर करने का यह शानदार मौका है। खासकर यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत का यह सही समय है। मैं आइडियाज फॉर इंडिया 2025 में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि हम भारत के विकास के अगले कदम को कैसे बेहतर बना सकते हैं।

स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना ही कालजयी साहित्य की पहचानः द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश के 140 करोड़ देशवसियों के परिवार में अनेक भाषाएं और अनगिनत बोलियां हैं। साहित्यिक परंपराओं की असीम विविधता है, लेकिन इस विविधता में भारतीयता का स्पंदन महसूस होता है। भारतीयता का यही भाव हमारे देश की सामूहिक चेतना में रचा-बसा है। मैं मानती हूं कि सभी भाषाओं में लिखित साहित्य मेरा ही साहित्य है। राष्ट्रपति मुर्मु दो दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इसका आयोजन साहित्य अकादमी और राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। दो दिवसीय 'कितना बदल चुका है साहित्य? विषयक साहित्यिक सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित साहित्यकार, लेखक भाग ले रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने गोपबंधु दास, रवींद्रनाथ ठाकुर, फकीरमोहन सेनापति, गंगाधर मेहर, प्रतिभा राय आदि को संदर्भित करते हुए कहा कि आज का साहित्य

उपदेशात्मक नहीं हो सकता। साहित्य से प्रेरणा लेकर मनुष्य सपने देखता है और उन्हें साकार करता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे समाज और सामाजिक संस्थान बदले हैं, चुनौतियां और प्राथमिकताएं भी बदली हैं। ऐसे ही साहित्य में भी बदलाव देखे गए हैं, लेकिन स्थायी मानवीय मूल्य की स्थापना कालजयी साहित्य की पहचान होती है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज के, समाज की भावनाओं के और समाज की स्थितियों के दर्पण स्वरूप हैं।

दर्पण होने के साथ-साथ यह समाज के मार्गदर्शन का काम भी करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश सांस्कृतिक पुनरुद्धार के दौर से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में साहित्य सृजकों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है।

तकरीबन 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग-कोविड से पीड़ित : अध्ययन

एजेंसी
नई दिल्ली। कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चे लॉन्ग कोविड से पीड़ित हैं। उम्र के हिसाब से उनके लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। बच्चों में लॉन्ग कोविड को लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद कम से कम तीन महीने तक रहते हैं। शोध पत्रिका जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित अध्ययन में 472 शिशुओं और मार्च 2022 से जुलाई 2024 तक नामांकित 539 प्रीस्कूल-आयु वर्ग के बच्चों को शामिल किया गया है। इसमें पाया गया कि लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में लॉन्ग कोविड था। दो साल और उससे कम आयु के 278 बच्चों में से लगभग 40 (14 प्रतिशत) में लक्षण थे, जबकि तीन से पांच वर्ष की आयु के 399 बच्चों में से 61 (15 प्रतिशत) में लक्षण थे। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला है कि शिशुओं और बच्चों में तीन से

पांच साल की उम्र के प्रीस्कूलर की तुलना में अलग-अलग लॉन्ग-कोविड लक्षण दिखाई देते हैं। शिशुओं और बच्चों (दो साल से कम उम्र के) में सोने में परेशानी, चिड़चिड़ापन, भूख न लगना, नाक बंद होना और खांसी होने की संभावना अधिक होती है। तीन से पांच साल की उम्र में सूखी खांसी और दिन में थकान/कम ऊर्जा होने की संभावना अधिक होती है। कुल मिलाकर, संभावित लॉन्ग कोविड वाले 74 प्रतिशत प्रीस्कूलर ने सूखी खांसी की सूचना दी। ये लक्षण आमतौर पर बड़े बच्चों और किशोरों में देखे जाने वाले लक्षणों से बहुत अलग हैं, जिन्हें लॉन्ग कोविड है। अध्ययन में पाया गया कि स्कूल जाने वाले बच्चों में न्यूरोलॉजिकल लक्षण होने की संभावना अधिक होती है, जैसे ध्यान केंद्रित करने में परेशानी, सोने में परेशानी या चक्कर आना। उन्हें पीठ या गर्दन में दर्द, सिरदर्द, पेट में दर्द या उल्टी भी हो सकती है। कभी-कभी, उनके व्यवहार में बदलाव होते हैं। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल (एमजीएच) में बायोस्टैटिस्टिक्स रिसर्च एंड एंगेजमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर तनयोट (टोनी) थावेथाई ने कहा, ÷यह अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि छोटे बच्चों में लंबे समय तक कोविड के लक्षण बड़े बच्चों और वयस्कों से अलग होते हैं। इसके अलावा, टीम ने नोट किया कि कई लक्षणों को इस तथ्य से समझाया जा सकता है कि छोटे बच्चों में लक्षण इस आधार पर बताए जाते हैं कि देखभाल करने वाले क्या देख सकते हैं, न कि बच्चे खुद क्या महसूस कर रहे हैं और क्या वर्णन कर रहे हैं। थावेथाई ने कहा, इन लक्षणों वाले बच्चों का स्वास्थ्य अक्सर खराब होता है, जीवन की गुणवत्ता कम होती है और विकास में देरी होती है। उन्होंने छोटे बच्चों पर कोविड के प्रभाव पर और अधिक शोध करने का आह्वान किया।

भारत ने एक बार फिर कहा, संघर्ष विराम में व्यापार मुद्दा नहीं रहा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष विराम पड़ोसी देश की ओर से आए अनुरोध के कारण ही हुआ था और इसमें तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही इस दौरान कई देशों के नेताओं से बातचीत हुई थी लेकिन उसमें कहीं भी व्यापार के बारे में कोई बातचीत नहीं हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। प्रश्न में एक अमेरिका अदालत में वहां की सरकार की ओर से टैरिफ नीति को सही ठहराने के लिए भारत-पाक संघर्ष विराम का उदाहरण दिया गया था। इसी पर प्रवक्ता ने आज एक बार फिर स्पष्टीकरण दिया है। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच फायरिंग बंद करने का निर्णय दोनों देशों के डीजीएमओ के सीधे संपर्क से लिया गया था और इस वार्ता में व्यापार या शुल्क से संबंधित कोई मुद्दा नहीं उठा।

इस दौरान प्रवक्ता ने बताया कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं फिलहाल जारी हैं और हाल ही में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका यात्रा हुई है। उन्होंने कहा कि बातचीत पूरी होने के बाद ही कोई ठोस जानकारी साझा की जा सकेगी।विदेश सचिव विक्रम मिस्री की अमेरिका यात्रा (27 से 29 मई) के बारे में जानकारी देते हुए जायसवाल ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन बैठकों में क्रिटिकल मिनरल्स और उभरती प्रौद्योगिकियों पर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

अब वक्त आ गया है कि देश की मानवीय बुद्धिमत्ता एआई क्रांति का नेतृत्व करे : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली में सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी) द्वारा आयोजित 'पढ़ाई ~ शिक्षा में एआई पर सम्मेलन' के समापन सत्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्रालय की भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री, सीपीआरजी के निदेशक डॉ. रामानंद और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महज एक तकनीक नहीं, बल्कि शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाला और नवाचार की प्रेरणा देने वाला कारक है। यह सहानुभूति और तकनीक के बीच का एक सेतु है। अब वक्त आ गया है कि देश की मानव बुद्धिमत्ता, मौजूदा वक्त में एआई क्रांति का नेतृत्व करे।

केंद्रीय मंत्री ने एआई पर सरकार द्वारा की गई अहम पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें एआई में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और भारतीय भाषाओं में एआई का लाभ उठाने और कक्षाओं में आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने की घोषणा शामिल है, जो एक ऐसी पहल है, जो चॉकबोर्ड से चिपसेट तक के सफर में तमाम बदलावों को

लाने में मददगार साबित हो रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा में एआई को एकीकृत करना अब विकल्प नहीं, बल्कि बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों से इन विचारों पर मंथन करने और एआई पर नीतिगत सिफारिशें करने का आह्वान किया। दो दिनों तक चले इस पढ़ाई कॉन्क्लेव में भारतीय शिक्षा के भविष्य को आकार देने में एआई की भूमिका को लेकर विभिन्न विचार सामने आए। वक्ताओं ने चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह एआई कक्षाओं से परे, सीखने की विचारधारा का विस्तार कर रहा है, उच्च शिक्षा को बदल रहा है और मौजूदा संस्थानों में मुश्किलों को दूर कर रहा है। कार्यक्रम में शामिल प्रख्यात वक्ताओं में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, दिल्ली सरकार के गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सूद, भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनीत जोशी, इंडियाएआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. योगेश सिंह, इन्फो एज के सह-संस्थापक संजीव बिकचंदानी और दिल्ली के हिगाशी ऑटिज्म स्कूल की अध्यक्ष डॉ. रश्मि दास भी मौजूद रहे।

जातिगत आंकड़े एकीकरण के उपकरण बन सकते हैंः उपराष्ट्रपति

एजेंसी
नई दिल्ली।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज केन्द्र सरकार की ओर से जाति आधारित जनगणना कराए जाने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत आंकड़े विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने आज नई दिल्ली में भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने जातिगत जणगणना के निर्णय को परिवर्तनकारी और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा, 'जातिगत आंकड़े, यदि सोच-समझकर एकत्र किए जाएं तो वे किसी भी प्रकार से विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि वे एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं। कुछ लोग इस पर बहस कर रहे हैं, लेकिन हम परिपक्व समाज हैं। किसी जानकारी को इकट्ठा करना समस्या कैसे हो सकता है? यह तो अपने शरीर की एमआरआई कराने जैसा है- तभी तो आपको अपने बारे में जानकारी मिलती है। इस प्रक्रिया से हम संविधान में निहित समानता जैसे अमूर्त संकल्पों को मापनीय और जवाबदेह नीतिगत परिणामों में परिवर्तित कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सांख्यिकी केवल संख्यायें नहीं है। सांख्यिकी पैटर्न की पहचान और नीतिगत समझ की दिशा में अंतर्दृष्टियों का माध्यम है। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने आंकड़ों को नीतियों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। धनखड़ ने शासन में 'अद्यतन और सटीक' डेटा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ÷ठोस आंकड़ों के बिना नीति योजना बनाना अंधेरे में सर्जरी करने जैसा है।÷ उनका मानना है कि हर आंकड़ा एक मानवीय कहानी का प्रतिनिधित्व करता है। उपराष्ट्रपति ने भारत की भाषाई विविधता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारी भाषाएं हमारी शक्ति हैं और विभाजन का कारण नहीं बन सकतीं।

नौसेना की दो बहादुर महिला अधिकारी 'नाविका सागर परिक्रमा' करके लौटीं

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की दो बहादुर महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए आठ माह बाद 'नाविका सागर परिक्रमा' करके घर लौटीं।

रक्षा मंत्री ने गोवा में इस ऐतिहासिक परिक्रमा अभियान को पूरा करने में उनके साहस की सराहना करते हुए उनकी यात्रा को नारी शक्ति का प्रतीक बताया। अभियान के दूसरे संस्करण में दोनों महिला अधिकारी ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं। दोनों अधिकारियों को पिछले साल 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना किया गया था। आठ महीनों के दौरान नौसेना की इस जोड़ी ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 एनएम (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्रों का सामना किया। दोनों महिलाओं ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर विराम लिया। राजनाथ सिंह ने दोनों महिला अधिकारियों की मानसिक शक्ति की सराहना की, क्योंकि उन्होंने आठ महीने की लंबी समुद्री यात्रा के दौरान कई तरह की मुश्किलों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि हर कोई लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की तरह इस उपलब्धि को हासिल नहीं कर सकता है, जो उनके धैर्य, दृढ़ संकल्प और ताकत को दर्शाता है। विभिन्न बंदरगाहों पर भारतीय और प्रवासी भारतीयों की ओर से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत पर रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों महिला अधिकारियों ने पूरी दुनिया में तिरंगा लहराकर देश को गौरवान्वित किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वे अपने कड़वे-मीठे अनुभवों और सीखों को दर्ज करें, ताकि आने वाली पीढ़ी, खासकर हमारी युवा महिलाएं

इससे प्रेरित हो सकें।रक्षा मंत्री ने कुछ दिन पहले महिला अधिकारियों के साथ अपनी वर्चुअल बातचीत को याद करते हुए कहा कि इस बातचीत ने उन्हें भावनाओं से भर दिया था। उन्होंने गोवा में स्वागत समारोह का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की और इसे देश के लिए बहुत गर्व की बात बताया। इस अभियान को विभिन्न चुनौतियों पर काबू पाने में भारतीय नौसेना की बहादुरी और लचीलेपन का प्रमाण बताते हुए राजनाथ सिंह ने अभियान में योगदान देने वाले कर्मियों को बधाई दी।

ज्ञानेश कुमार के सीईसी रहते हुए 100 दिन पूरे, 21 नई पहलों की घोषणा

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के तौर पर ज्ञानेश कुमार को कार्यभार संभाले हुए 100 दिन हो गए हैं। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 26वें सीईसी के नेतृत्व में इस दौरान चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने और मतदाता सुविधा को बढ़ाने के लिए 21 नई पहलें शुरू की हैं। इनका उद्देश्य चुनाव प्रबंधन को सरल बनाना और मतदाता अनुभव को बेहतर करना है। चुनाव आयोग का कहना है कि सीईसी ज्ञानेश कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद से पहले 100 दिनों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1,500 से घटाकर 1,200 कर दी है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों, जैसे गेटेड समुदायों और ऊंची इमारतों में अतिरिक्त मतदान बूथ स्थापित किए जाएंगे। आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए 2 किलोमीटर से अधिक यात्रा न करे। मतदाता सूचना स्लिप को स्पष्टता के लिए फिर से डिज़ाइन किया गया है। इसमें क्रमांक और भाग संख्या की दृश्यता को बढ़ाया गया है। मतदाताओं की सुविधा के लिए हर मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार पर मोबाइल जमा सुविधा स्थापित की जाएगी। अब उम्मीदवारों द्वारा सेटअप किए गए बूथ मतदान केंद्र के प्रवेश से 100 मीटर के दायरे के ठीक बाद भी स्थापित किए जा सकेंगे। सरल उपयोगकर्ता इंटरफेस के लिए एक नया एकीकृत डैशबोर्ड-ईसीआईनेट विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए सभी सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। कुछ मॉड्यूल वर्तमान उपचुनावों में उपलब्ध होंगे और बिहार विधानसभा चुनाव के समय पूरा डैशबोर्ड विभिन्न हितधारकों के लिए उपलब्ध होगा। ईसीआई ने मृतक पंजीकरण डेटा को सीधे रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया से एकीकृत करने की शुरुआत की है। इससे मृत मतदाताओं को समय पर और सत्यापित तरीके से मतदाता सूची से हटाया जा सकेगा। बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होगी। उपचुनाव से पहले विशेष सारांश संशोधन किया गया है। यह उपचुनाव से पहले किया गया पहला ऐसा अभ्यास है।

संक्षिप्त समाचार

चतरा उपायुक्त ने पाँच चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। उपायुक्त ने समेकित बाल संरक्षण योजना, मिशन वात्सल्य के तहत संविदा के आधार पर चयनित 5 योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। इनमें संरक्षण पदाधिकारी (संस्थागत देखरेख), संरक्षण पदाधिकारी (गैर-संस्थागत देखरेख), सामाजिक कार्यकर्ता और आकड़ा विश्लेषक पद शामिल हैं। चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देते हुए कहा अपने पद पर ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उक्त पद लगभग 11 वर्ष से रिक्त था, पूर्व में भी दो बार नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण की गई थी किंतु सभी पद में अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो पाया था। आज उप विकास आयुक्त, चतरा एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, चतरा की उपस्थिति में उपायुक्त के कार्यालय प्रकोष्ठ में सभी पांचो चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया।

कोडरमा में ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 9 आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा (झारखंड), – कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत मिटको कॉलोनी में संचालित ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम का गठन कर छापेमारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 22 मोबाइल, 25 एटीएम, 11 चेकबुक, 16 बैंक खातों के दस्तावेज, 2 लैपटॉप, स्कैनर, स्वैप मशीन और ऑनलाइन सट्टे का हिसाब-किताब रखने वाली डायरियां बरामद की गई हैं। आरोपी Reddy App, 11xPlay और Cricbet99 के जरिए IPL, फुटबॉल, टेनिस व कसीनो गेम्स में सट्टा चलाते थे। सट्टेबाजी के लिए फर्जी दस्तावेजों से बैंक खाते खोले जाते थे, जिनके जरिए लेन-देन किया जाता था। इस मामले में तिलैया थाना में कांड संख्या 173/25 के तहत कळ एक्ट और लॉटरी रेगुलेशन एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

कोडरमा में अवैध गौ-तस्करी का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा: पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तिलैया थाना क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के तहत अवैध गौ-तस्करी में संलिप्त एक आरोपी समीर अंसारी (उम्र 25) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक भूरा रंग का बैल भी बरामद किया गया। आरोपी के पास किसी प्रकार के वैध दस्तावेज नहीं मिले। तिलैया थाना में कांड संख्या 172/25 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शहर में खुला प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र,

50 से 90 प्रतिशत की छूट के साथ मिलेगी दवाइयां

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

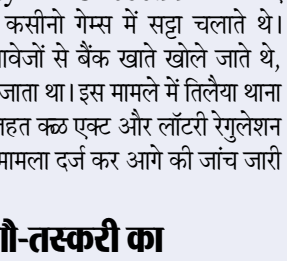

पाकुड़:पाकुड़ शहर में जन औषधि केंद्र खुलने से अब आम लोगों को महंगी दवाओं की मार से मिलेगा छुटकारा । पाकुड़ नगर मे प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र पाकुड़ धुलियान मेंन रोड के निकट टीनबंगला में खुला है, केंद्र का उद्घाटन गुरुवार को देर शाम हुई, जन औषधि केंद्र के संचालक संजय सिंह ने कहा कि जन औषधि केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती दरों पर सभी बिमारी की दवा उपलब्ध होगी ।

उपायुक्त ने सुनी आम जनता की समस्याएँ, त्वरित कार्रवाई का दिया आश्वासन

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त आम जनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके मुद्दों को समझने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं।जनता दरबार में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का समाधान नियमानुसार शीघ्रता से किया जाएगा।इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनता के साथ खड़ा है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नमामी गंगे परियोजना अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक संपन्न

दिव्य दिनकर:संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में नमामी गंगे परियोजना अंतर्गत जिला गंगा समिति की बैठक की गई। बैठक में 5 जून 2025 को आयोजित होने वाले विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा से संबंधित जन जागरूकता एवं प्रचार प्रसार कार्यक्रम के आयोजन हेतु बैठक की गई। इस-ाके अंतर्गत जिला के सभी संबंधित अधिकारी को निदेश दिया गया कि निरंजना नदी के उदगम स्थल सिमरिया प्रखंड से लेकर निरंजना नदी गुजरने वाले प्रखंड यथा लावालौंग,चतरा,हंटरगंज में यह कार्यक्रम व्यापक रूप से किया जाय। अन्य ब्लॉक में स्थित स्थानीय नदी एवं जलाशय के किनारे जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया गया। उक्त कार्यक्रम में श्रमदान, स्वच्छता अभियान,पौधा रोपण,गंगा चौपाल,नुक्कड़ नाटक,गंगा स्वच्छता संकल्प, भजन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने सभी आमजनों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में 5 जून को होने वाले कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाए। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित,राज्य स्वच्छ गंगा मिशन नगर विकास एवं आवास विभाग झा-रखंड सरकार के संप्रेषण सह सामाजिक विकास प्रबंधक अंजना भारती, जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जिला कौशल पदाधिकारी ने विभिन्न कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शुक्रवार को जिला कौशल पदाधिकारी राहुल कुमार द्वारा जिले में संचालित विभिन्न कौशल केन्द्रों का निर-ीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कौशल पदाधिकारी ने झा-रखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी (जेएसडीएम) के निदेर्शानुसार सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पाकुड़ स्थित दूरदर्शी ज्ञान कौशल केन्द्र के मैनेजर वसीम को क्लास रूम का लाइव स्ट्रेचिंग सही करने का निर्देश दिया गया। साथ ही हिरणपुर प्र-खंड अंतर्गत मोहनपुर स्थित रनिष्ठार कौशल केन्द्र के सेंटर मैनेजर को छात्रावास एवं प्र-शिक्षण केन्द्र में उचित स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। विदित हो कि जिले में श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा तीन कौशल केन्द्र चलाए जा रहे है, इसमें रहना, खाना बिल्कुल निःशुल्क है। इसमें अभ्यर्थियों को किसी प्रकर की फीस नही देनी पड़ती। उन्हें ड्रेस एवं पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। इसमें कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते हैं यथा नर्सिंग, सिलाई, कम्प्यूटर। उन्होंने पाकुड़ के छात्र-छात्राओं से इन कौशल प्र-शिक्षण केन्द्रों में नामांकित होकर हुनरमंद बनने एवं रोजगार प्राप्त करने की अपील की।

भाजपा ने शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मजयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:लोकमाता और पुण्यश्लोक की उपाधि से सम्मानित न्यायप्रिय शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्मजयंती गुरुवार देर शाम भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सह महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए, संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष सह महगामा के पूर्व विधायक अशोक भगत जी ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर एक ऐसी महान नारी थीं जिनका जीवन हर भारतीय को प्रेरणा देता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि एक महिला भी कुशल प्रशासक, धर्मनिष्ठ शासक और प्रजावत्सला माता हो सकती है। उनका नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में लिखा गया है। आज भी इंदौर में उनकी स्मृति में अनेक स्मारक, विश्वविद्यालय और संस्थान स्थापित हैं।उनकी जीवनगाथा नारी शक्ति, आत्मबल और सेवा भाव की जीती-जागती मिसाल है। जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अहिल्याबाई को न्यायप्रियता की मिसाल दी जाती है। उन्होंने अपने पुत्र को भी अन्यायपूर्ण आचरण के लिए दंडित किया। अहिल्याबाई होलकर की विरासत आज भी जीवित है। उनका जीवन आज भी शासन, सेवा और नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरणाप्रद है।अहिल्याबाई स्वयं हर सुबह प्रातःकाल जनता दरबार लगाती थीं और लोगों की समस्याएं सुनती थीं।

वे राजकोष को केवल राज्य और धर्म-हित के लिए खर्च करती थीं। उनके शासन में भ्रष्टाचार नहीं के बराबर था, क्योंकि वे स्वयं लेखा-जोखा रखती थीं।उन्होंने सेना का पुनर्गठन किया, ताकि बाहरी आक्रमणों से राज्य की रक्षा की जा सके। प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर स्वयं जनता की समस्याएं सुनती थीं और बिना भेदभाव के न्याय देती थीं।उन्होंने सेना, भूमि व्यवस्था, कर संग्रह और व्यापार को संगठित किया। शर्मिला रजक ने कहा कि उन्होंने अनेक मंदिरों, घाटों, धर्मशालाओं और जलसेवाओं का निर्माण करवाया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, रामेश्वरम, द्वारका आदि तीर्थस्थलों के पुनर्निर्माण में उनका योगदान अद्वितीय है। अनुग्रहित प्रसाद साह ने कहा कि महिलाओं के कल्याण हेतु विशेष योजनाएं चलाईं और विधवाओं के अधिकारों को महत्व दिया। वे साहित्य और संगीत की संरक्षिका थीं। उनके दरबार में कई विद्वान और संत निवास करते थे। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष वि-वेकानंद तिवारी,अनुग्रहित प्रसाद साह, जिला महामंत्री रूपेश भगत सरिता मुर्मू,शर्मिला रजक, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, पार्थ रक्षित, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शबरी पाल, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक साह एवं अन्य उपस्थित रहे

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना सबकी जिम्मेदारी- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करने को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार लगातार प्रयासरत है। इसी को लेकर समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तंबाकू, कालाजार, मलेरिया, डेंगू टीवी, आरबीएसके, कुष्ठ, एनसीटी पूर्ण टीक-ाकरण शहरी स्वास्थ्य प्रसव पूर्ण जांच संस्थागत प्रसव, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाइयां (एसएनसीयू), एमटीसी तथा अन्य स्वास्थ्य विभाग इंडिकेटर की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आरबीएस के डाक्टरों से कहा कि स्कूलों के छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए जन-जागरूकता लायें ताकि जमीनी स्तर पर लोगों में जागरूकता बढ़े और वे स्वयं भी तम्बाकू, डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के रोकथाम के उपायों में भागीदार बनें। साथ ही तंबाकू चैंपियंस को चिन्हित कर कार्यशाला करवाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी टीवी मरीजों का इंसेंटिव जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया तथा सभी मरीजों का एचआईवी जांच करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा प्रखंडों को मलेरिया एवं कालाजार प्रभावित गांव में कीटनाशयुक्त मच्छरदानी वितरण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी चिकित्सा पदाधिकारियों को शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होने सभी गर्भवती माताओं का चार जांच, शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने टीकाकरण, टीबी, मलेरिया, कालाजार, महिलाओं का संस्थागत प्रसव के अलावा अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी प्रखण्ड चिकित्सा पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में ही रह कर कार्य करें। उन्होंने एमओआईसी को महिलाओं का प्रसव पूर्व जांच कार्य को प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने समय समय पर कार्य की प्रगति प्रतिवेदन की भी समीक्षा करने की बात कही।उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं। सदर अस्पताल समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने की दिशा में कोई कसर नहीं रहे। मौके पर सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ के के सिंह, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डीपीएम समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में खेल एवं पर्यटन योजनाओं की समीक्षा, कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में खेल एवं पर्यटन विभाग से संबंधित संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने कई अहम निर्देश जारी किए। वर्तमान में जिले में एक आवासीय बालक तथा दो डे-बोर्डिंग एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र संचालित हैं। उपायुक्त ने अतिरिक्त डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता को देखते हुए पुनः विभाग को पत्राचार करने का निर्देश दिया।बैडमिंटन खेल के उन्नयन हेतु साहेबगंज में आवासीय प्रशिक्षण केंद्र खोलने का प्रस्ताव भेजने का आदेश भी दिया गया। इसके साथ ही, स-ाहेबगंज एवं राजमहल अनुमंडल में खेल बैंक की स्थापना के बाद प्रशिक्षकों की नियुक्ति हेतु विभाग को पत्राचार का निर्देश जारी किया गया।सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, स-ाहेबगंज के गैलरी विस्तार हेतु विभाग से पुनः पत्राचार करने तथा माघी मेला की राशि की मांग को लेकर भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण व उन्नयन के लिए अनाबद्ध निधि की मांग को आगामी जिला पर्यटन प्रोत्साहन समिति (DTPC) की बैठक में रखने और विभाग को प्रस्ताव भेजने को कहा गया।स्वतंत्रता सेनानियों व शहीद सैनिकों की स्मृति में साहेबगंज मुख्यालय में अमर जवान ज्योति स्थल निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर उसे भी अगली DTPC बैठक में रखने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त ओझा टोली घाट (साहेबगंज) व गंगा घाट (राजमहल) पर रिवर फ्रंट विकास हेतु उपयुक्त काउंसल्टेंसी एजेंसी से संपर्क स्थापित कर प्रस्ताव तैयार करने का आदेश भी दिया गया।बैठक में जिला खेल पदाधिकारी पंकज झा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर अपर समाहर्ता ने की सुनवाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। अपर समाहर्ता ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया।जनता दरबार में समाज कल्याण, जमीन से संबंधित, प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय पाकु-ड़, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, भू अर्जन कार्यालय आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

भूमि संरक्षण पदाधिकारी ने तालाब जीर्णोद्धार व परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भूमि संरक्षण पदाधिकारी सुचित एक्का ने वित्तीय वर्ष-2023-24 एवं 2024-25 में किये गये तालाब जीर्णोद्धार व परकोलेशन टैंक निर्माण कार्य वाले योजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पंचायत- जोरडीहा में वर्ष 2023-24 में जीर्णोद्धार कराये गये सरकारी तालाब के पानी को लेकर पानी पंचायत के सदस्यों से मुलाकात किया। सदस्यों ने बताया कि उक्त तालाब का जीर्णोद्धार हो जाने से अगल-बगल के खेतों में चार्लेस सोरेन, बरबाद हांसदा एवं अन्य गत वर्ष खरीफ फसल के बाद रबी फसल जैसे सरसों, बैगन, मकई आदि का खेती किया गया। साथ ही तालाब में मछलीपालन कर हम सब कृषक व्यवसाय की ओर अग्रसर है। इसी प्रकार ग्राम-अम्बाजोड़ा,पंचायत-पाडेरकोला, अमडापाड़ा में वर्ष 2024-25 में नवनिर्मित कराये गये परकोलेशन टैंक योजना से लाभान्वित कृषक फाते हांसदा के द्वारा बताया गया कि उक्त तालाब में मछली पालन हेतु मछली का जीरा डाला गया है। वर्षा जल संचयन होने के बाद रबी फसल की खेती प्रारम्भ करेगें।

हंसध्वनि संगीत कला केन्द्र में कवि प्रणाम का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरः बीते शाम रवींद्रनाथ टैगोर के 164 एवं काजी नजरूल इस्लाम के 126वां जन्म जयंती के उपलक्ष्य पर हंसध्वनि संगीत कला केन्द्र में ह्रकवि प्रणामह्व बहुत ही भक्ति भाव से आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित सभी अतिथि, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं द्वारा दोनों कवियों को पुष्पार्घ निवेदन किया गया एवं केन्द्राधीक्षक द्वारा आगन्तुकों के स्वागत में संबोधित किया गया। जबकि छात्र हर्षराज, रविकांत, संकेत व शाश्वत एवं छात्रा शगुन व शायना ने बारी-बारी से हिंदी व बंग्ला में रवींद्र व नजरुल संगीत सुनाया। इसके बाद कुमकुम बर्मन एवं डॉ प्रदीप कुमार सिंह देव ने गुरुदेव का कविता पाठ किया तो सुभाष सेन ने गीटार पर रवींद्र धुन बजाया व इन्द्रानी दे ने मधुर रवींद्र संगीत सुनायी। अंत में विश्वनाथ बनर्जी ने दोनों कवियों के कुछ विशेष घटनाओं का उल्लेख करते हुए नजरुल गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि सभी कलाकारों के साथ सुनीथ करन एवं सुब्रत चटर्जी ने तबले पर बेहतरीन संगत दिया। इस अवसर पर देर शाम तक पवन राय, तपन चक्रवर्ती, अवन्तिका आनंद, संजय सरकार, मनिकंकना चटर्जी, उदय चक्रवर्ती, दीपनारायण झा सह भारी संख्या में रवींद्र एवं नजरुल अनुरागी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर भारी मात्रा में चुलाई शराब किया नष्ट

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ शुक्रवार को उत्पाद विभाग की टीम ने पाकुड़ मुफ्फसिल थानान्तर्गत वेलडंगा स्थित लीली टुडु के घर में छापामारी की गई। तलाशी के क्रम में 15 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा 300 किलोग्राम अवैध जल मिश्रित जावा महुआ को बरामद किया गया तथा जल मिश्रित जावा महुआ को घटनास्थल पर विनिष्ट किया गया अभियुक्ति के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया।

छात्र क्लब ग्रुप ने अजय नाथ शाहदेव को दी बधाई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची- झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन(जे.एस.सी.ए.)के चुनाव मे पूर्व उप महापौर अजय नाथ शाहदेव नए अध्यक्ष चुने जाने पर उनके आवासीय कार्यालय पी.पी.कम्पाउन्ड मे अंगवस्त्र,पुष्पगुच्छ एवं तलवार भेंटकर छात्र क्लब ग्रुप की ओर से क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी के अध्यक्षता मे सम्मानित करते हुए बधाई दी गई।इस मौके पर क्लब के संरक्षाक समित कुमार,शुभम चौधरी,पिया बर्मन, वीणाश्री,कुमारी विनीता,नीलम

मीडिया प्रभारी चंदन कुमार,

भारत विभूषण लायन डॉक्टर राजेन्द्र कुमार हाजरा,अगाथा क्रिकेट अकादमी के डायरेक्टर राजन तिर्की,मुख्य कोच पारितोष साहू,विक्की सिंह,झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य,लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष एम.जे.एफ.लायन राजेश केडिया,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,एचिवर्स एकेडमी के निदेशक प्रतिज्ञा कुमार सिंह,आर.आर.पब्लिक स्कूल,नावासोसो के निदेशक रवि रंजन कुमार,चटकपुर के उप मुखिया नमिता देवी आदि मौजूद थे। मौके पर डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा ने कहा क्रिकेट की पुरे विश्व मे एक अलग पहचान है। अजय नाथ शाहदेव जी के जे.एस.सी.ए.के नए अध्यक्ष बनने पर झारखंड क्रिकेट को एक नई ऊर्जा मिलेगी।राजेश केडिया ने कहा अजय नाथ शाहदेव जी की नई टीम क्रिकेट के उत्थान मे पूर्णरूप से मार्गदर्शित करेगी साथ ही अब झारखंड मे और भी अधिक टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन होगा। धन्यवाद ज्ञापित अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य ने किया।

बिहार के लोगों को भारी निराश किया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी-डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि दो दिवसीय दौरा पर बिहार आए देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का दौरा समाप्त हो गया।बिहार के लोगों को उम्मीद था कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा बिहार को विशेष राज का दर्जा देने का घोषणा किया जाएगा,लेकिन उसके बारे में कोई भी चर्चा नहीं किया गया जिससे बिहार के चौदह करोड़ लोगों को फिर एक बार निराश होना पड़ा।पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया जाएगा,कुटकु मंडल डैम में गेट-फाटक लगाने का उद्घाटन किया जाएगा क्योंकि उन्होंने 2019 में गेट लगाने का शिलान्यास किया था,लेकिन उस पर भी चुप्पी साध लिए।हरिहरगंज -औरंगाबाद पटना जो ट्रैफि क के लिहाज से अति वयसतम सड़कों में से एक है जिसे फोरलेन सड़क बनाने के लिये डीपीआर बन गया था उसे रद्द कर दिया गया।उस-के बदले सासाराम-पटना फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया जाना अन्याय है,क्यूँ की वर्षों से हरिहरगंज-औरंगाबाद -पटना फोरलेन सड़क की न सिर्फ.प्रक्रियाएं पूरी की गई बल्कि देश के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के द्वारा बोधगया कार्यक्रम के दौरान स्वीकृति देने का घोषणा किया गया था।इसलिए औरंगाबाद अरवल एवं पटना जिला के नागरिकों को एक तरह से निराश ही नहीं किया बल्कि विकास के पैमाने से कोसो दूर कर दिया इसलिए आने वाला विधानसभा चुनाव में इसका भारी खामियाजा ठऊअ गठबंधन को उठाना पड़ेगा। आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है वह सब के सब पुराने औनगोइंग परियोजना है जैसे नवीनगर सुपर थर्मल पावर प्लांट,सोननगर अंडाल तीसरी रेल लाइन एवं सोनगगर मोहम्मद गंज तीसरी रेल लाइन पर वर्षों से रेल गाड़ी दौड़ रही है वैसे योजनाओं का उद्घाटन कहीं न कहीं जनता के आँख में धूल झोंकने का काम किया गया ।डोभी गया पटना फोरलेन का उद्घाटन भी जो किया गया वह भी लगभग एक वर्ष पहले से उस सड़क पर गाड़ियां दौड़ रही है।यानी नया बोतल में पुरानी शराब परोसने वाली क-हावत को प्रधानमंत्री जी ने आज चरितार्थ करने का काम किया है ।यानि कुल मिलाकर के दो दिवसीय कार्यक्रम को कहा जाए तो सिर्फ.और सिर्फ.इस चुनावी वर्ष में चुनावी जुमला फेंक कर-के चले गए जिससे उनको कोई विशेष फायदा नहीं मिलने वाला है।बिहार कि महान जनता एक के चीजों को बहुत बारीकी से विश्लेषण करती।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने बाबा मंदिर व एम्स, एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था व यातायात व्यवस्था का लिया गया जायजा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग ने संयुक्त रूप से माननीय राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर बाबा मंदिर, एम्स व एयरपोर्ट का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान माननीय राष्ट्रपति महोदया के आगमन के दौरान विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था व यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने एम्स परिसर में कार्यक्रम स्थल पर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने एयरपोर्ट, सर्किट हाउस एवं बाबा मंदिर के रूटलाइन का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों, लाइन एजेंसी, नगर निगम के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि माननीय राष्ट्रपति देवो की नगरी देवघर से एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर यहाँ से प्रस्थान करें। *इस दौरान उपरोक्त के अलावा* अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला योजना पदाधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

संतोषी माता मंदिर की वार्षिक पुजा धुमधाम से सम्पन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरः स्थानीय महावीर व्यायामसाला परिसर में स्थित एक मात्र मां संतोषी माता मंदिर की 23वां वार्षिक पूजा विधि विधान पूर्वक से पुजारी आनंद चरण मिश्रा एवं सुमित चरण द्वारा किया गया। मुख्य यजमान अमरनाथ केशरी, बिनोद केशरी एवं उनकी धर्मपत्नी रत्ना केशरी द्वारा मां संतोषी की श्रृंगार, पुजा, आरती, हवन, अभिषेक पुरे विधि विधान से की गई। पुजा के बाद बटुक भैरव, कुंवारी कन्या पूजन किया गया। तत्पश्चात सभी के बीच प्रसाद वितरण किया गया। बताते चलें कि इस मंदिर की स्थापना समाज सेवी राष्ट्रपति उम्मीदवार विश्वनाथ केशरी के पुण्य स्मृति पर 2002 में उनके पुत्रो द्वारा की गई। पुत्र अमरनाथ केशरी व बिनोद केशरी ने बताया की मेरे पिताजी विश्वनाथ केशरी माता संतोषी के बहुत बड़े भक्त थे। वे एक बार राष्ट्रपति व बांका लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी थे, उसके बाद से पुरे मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा किया जाता है। मौके पर मंदिर के पुजारी पंडित सुरज नारायण तिवारी, संतोष केशरी, अमन कुमार, पवन कुमार दुबे, प्रदीप कुमार दुबे, आदित्य सिंह, आदि पुजा को सफल बनाने में तन मन से लगें हुए हैं।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्तागण

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के अधिवक्ता नीरज रंजन सिन्हा के मृत्यु हो जाने पर आज जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के केन्द्रीय कक्ष में जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय के अध्यक्षता और महासचिव जगनरायण सिंह के संचालन में एक शोक सभा आयोजित किया गया और दो मिनट के मौन रखकर उनकी आत्मा के शांति की प्रार्थना किया गया अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि वे सरल स्वभाव, मधु भाषी, हमेशा प्रसन्नचित्त रहने वाले थे,59 वर्षीय नीरज रंजन सिन्हा 1990 से विधि व्यवसाय में थे, उनके मृत्यु के खबर से जिला विधिज्ञ संघ में शोक की लहर दौड़ गई,शोकसभा कर अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से विरत रखा,इस अवसर पर उपस्थित थे, पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, पूर्व सचिव नागेन्द्र सिंह, एपीपी महेंद्र प्रसाद सिंह, स्पेशल पीपी परवेज अख्तर, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, मधुसूदन प्रसाद सिन्हा,सरोज रंजन सिन्हा, संदीप कुमार,अनील कुमार सिन्हा, कामता प्रसाद सिंह, बागेश्वरी प्रसाद, सिद्धार्थ, नवीन कुमार, कमलेश द्विवेदी, क्षीतिज रंजन,अरूण पाठक,अशोक पासवान,अनील कुमार सिंह,अजय कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

कॉन्सेप्ट कॉमर्स में 12वीं क्लास के छात्रों को चैप्टर वाइज टेस्ट होने से बच्चों में हर्ष

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कॉन्सेप्ट कॉमर्स एंड कंप्यूटर क्लासेस में शुक्रवार को 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का एक विशेष टेस्ट आयोजित किया गया। यह टेस्ट संस्थान के निदेशक पिंटू गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक तैयारी का मूल्यांकन करना और उनके आत्मबल को सशक्त बनाना था। सुबह से ही संस्थान में छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ देखी गई। टेस्ट शुरू होने से पहले संस्थान के निदेशक पिंटू गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, यह टेस्ट न केवल उनकी वर्तमान तैयारी का आंकलन करेगा, बल्कि उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए भी मानसिक रूप से तैयार करेगा। इस तरह के टेस्ट छात्रों को समय प्रबंधन, परीक्षा रणनीति और आत्ममूल्यांकन की दिशा में भी प्रोत्साहित करते हैं। इस मौके पर कंप्यूटर शिक्षक विशाल सर, छात्र अर्पणा कुमारी, चांदनी कुमारी, आकांक्षा कुमारी, निशा कुमारी, अंजलि कुमारी, आयुषी प्रिया, श्रुति कुमारी, अभिनव कुमार, रोहित कुमार, आयुष कुमार तथा अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने एनएच 133 ,(चौपामोड़ से हसंडीहा) के कार्यों में तेजी लाने का दिया निर्देश:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

भू-हस्तांतरण एवं भू-अर्जन से जुड़े मामलों में तेजी लाने की आवश्यकता:-उपायुक्त

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक-30.05.2025 को समाहरणालय सभागार में एनएच 133 (चौपामोड़ से हसंडीहा सड़क निर्माण) के कार्यों की समीक्षा में भूमि भू-हस्तांतरण, भू-अर्जन एवं म्यूटेशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने परियोजना निर्देशाक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय विवेक नंदन से चौपामोड़-हंसडीहा फोरलेन के चल रहे विभिन्न कार्यों की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही धनबाद स्थित प्रोजेक्ट इंप्लीमेंट यूनिट कार्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों में आ रही समस्याओं के निदान को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि समयानुसार कार्यों को पूर्ण किया जा सके। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया गया कि जिन परियोजनाओं में राशि उपलब्ध है उन रैयतों को मुआवजा राशि कैम्प लगाकर तत्काल वितरित करें। *बैठक में उपरोक्त के अलावे* परियोजना निर्देशक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी व एनएच के अधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

नव दंपति ने नारायण सेवा आश्रम में अनाथ बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का किया वितरण

बच्चों के बीच बाँटी खुशियां

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। नव दंपति ने नारायण सेवा आश्रम में अनाथ बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया. ज्ञात हो कि स्थानीय बेला बागान निवासी बचपन प्ले स्कूल की निदेशक रूपा श्री के सुपुत्र चि० अमन अमिताभ संग आयु० तृप्ति के मदर टच बचपन प्ले स्कूल में आयोजित शुभ विवाहोपलक्ष्य के पश्चात परिणय सूत्र में बंध गए. तत्पश्चात नव दंपति ने सर्वप्रथम ठाड़ी दुलमपुर स्थित नारायण सेवा आश्रम में पहुंचकर अनाथ बच्चों के बीच दिन भर समय बिताया साथ ही उनके बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया मौके पर बच्चों ने नव दंपति के साथ काफी आनंद लिया जबकि मौके पर मिष्ठान भोजन का भी लुफ्त उठाया. मौके पर आश्रम के सदस्यों ने आगंतुक नवदंपत्ति को उनके उज्जवल भविष्य एवं सुखमय दांपत्य जीवन की ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि नवदंपत्ति जीवन की पगडंडी पर तालमेल से आगें बढ़े। साथ ही, जीवन के उतार-चढ़ाव के सहयात्री और सुख-दुःख के सहभागी बने और खुशहाल व सुखमय गृहस्थ जीवन व्यतीत करने की कामना की। मौके पर अनेकों गणमान्य लोग, समाजसेवी, नगर-वासी, सगे-संबंधी, मित्र-शुभचिंतक एवं नाते-रिश्तेदार भारी संख्या में मौजूद थे।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए किसानों को अधिकतम लाभ दिलाना करें सुनिश्चित:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक 30.05.2025 को वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र प्रायोजित RKVY-RAFTAAR योजना अन्तर्गत ub Mission on Agricultural Mechanization उपयोजना हेतु विभिन्न प्रखण्डों के लाभुकों से प्राप्त आवेदनों की सूची अनुमोदन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को एकीकृत तरीके से किसानों को अधिकतम लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र प्रायोजित RKVY-RAFTAAR योजना अन्तर्गत Sub Mission on Agricultural Mechanization (SMAM) उपयोजना अन्तर्गत महिला समूह/कृषक समूहों / लैम्प/पैक्स को कृषि उपकरण बैंक स्थापना एवं प्रगतिशील कृषकों को अनुदानित दर पर बड़ा ट्रैक्टर / मिनी ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्र वितरण हेतु विभिन्न प्रखण्डों के लाभुकों से प्राप्त आवेदनों की जांच करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया। *बैठक में उपरोक्त के अलावा* भूमि संरक्षण सर्वेक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम मैनेजर, JSLPS, DDM, नाबार्ड, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं जिला स्तरीय गठित कमिटि के सदस्य उपस्थित थे।

कैलाशानंद गिरी बाबा बैद्यनाथ पर करेंगे बेलपत्र अर्पण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

श्री श्री 1008निरजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी कैलाशा नंद गिरी जी महाराज श्री निरंजनी अखाड़ा देवघरीया रंग में रंगे आज वो सिमुलतला के जंगल में बेलपत्र तोड़ने गये जो कल बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करेंगे। पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री के हाथों में बिल्वपत्र देखकर आश्चर्यचकित हो गये और पुरी जानकारी ली जब पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री निर्मल झा मंटू ने उन्होंने इस परंपरा से अवगत कराया तो वो भी इच्छा जाहिर किए तोड़ने की जिसपर धर्म रक्षिणी सभा के महामंत्री ने सभा के तरफ से साजी और डंडा भेंट किया गया और वो लोग जंगल की और चल पड़े उनके साथ उनके तीर्थ पुरोहित शुशील पलिवार धीरज पलिवार झलकू मिश्र मौजूद थे।

मांडर, वारंटी को पुलिस ने भेजा जेल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर पुलिस ने एक वारंटी सोएब अंसारी को गिरफ़्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है. वह कनभीठा का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार ऑरिजनल मेंटनेंस केस के एक मामले में सोएब अंसारी पिता रफीक अंसारी के विरुद्ध वारंट निर्गत था!

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय पान महासंघ की बैठक मैं संगठन मजबूती पर चर्चा

भगत सिंह चौक स्थित एक होटल के सभागार में मनोनीत पदाधिकारी को दिया गया पत्र

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : शुक्रवार को कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत भगत सिंह चौक स्थित एक होटल के सभागार में अखिल भारतीय पान महासंघ के मुंगेर जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता द्वारा आहूत जिला कार्यकारिणी की बैठक रामावतार तांती की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक के मुख्य अतिथि महिला प्रदेश उपाध्यक्ष माधुरी गुप्ता, बिहार प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र तांती थे. मौके पर जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुप्ता ने सभी प्रखंड अध्यक्ष,प्रखंड सचिव एवं कई पंचायत में पंचायत अध्यक्ष को मनोनीत करते हुए उन्हें मनोनियन पत्र दिया. कार्यकारिणी की बैठक में सदस्यों ने इंडियन इंकलाब पार्टी के मुंगेर जिला अध्यक्ष नरेंद्र तांती को बनाने का प्रस्ताव लाया.इस पर जिलाध्यक्ष ने सहमति जताते हुए कहा कि आज की कार्यकारिणी की बैठक में सर्वस्मती से आईआईपी का जिलाध्यक्ष नरेंद्र तांती को बनाए जाने की मांग पत्र हम लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजेंगे. साथ ही उन्होंने नव मनोनीत पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वह दो दिनों के अंदर सभी प्रखंड में पंचायत अध्यक्ष तथा नगर में नगर अध्यक्ष को मनोनीत करते हुए उन्हें मनोनियन पत्र सौंप कर उनकी सूची जिला को उपलब्ध कराये. इसके अलावा सदस्यता अभियान पर विशेष ध्यान देने की बात कही. मौके पर अमरजीत कुमार,हरजीत, सननी कुमार, वीरेंद्र गुप्ता, निवास गुप्ता,प्रवीन गुप्ता, डॉक्टर रविंद्र तांती, दिलीप, बिंदेश्वरी, प्रकाश, अमित, प्रकाश गुप्ता, माला देवी, वंदना देवी, सुजाता देवी, मिस्टर, सनोज सहित अन्य मौजूद थे.

बेंगलुरु में पत्नी की हत्या के बाद पति ने मुंगेर में खाया जहर, चल रहा इलाज

मैं नहीं मारता, तो उसकी पत्नी व उसका प्रेमी मुझे मार देता: पति

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर. बेंगलुरु में पत्नी की हत्या कर भागा वासुदेवपुर थाना क्षेत्र के चंडीस्थान निषाद टोला निवासी शंभू सहनी (45) ने शुक्रवार को जहर खा लिया. तबीयत बिगड़ने पर घरवालों ने उसे इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया. जहां उसका इलाज चल रहा है. इलाज को पहुंचे परिजनों ने जहां चुप्पी साध रखी थी. वहीं शंभू खुल कर पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर रहा है. सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाजरत शंभू सहनी ने बताया कि 21 वर्ष पूर्व उसने गांव की रहने वाली अमृता से प्रेम विवाह किया था. डेढ़ साल पहले वह ठगी के मामले में गिरफ्तार हुआ था और 11 महीने मुंगेर जेल में बंद रहा. इस दौरान गांव के ही चंदन से उसकी पत्नी का अफेयर हो गया. जब वह जेल से निकला तो पत्नी को उसने समझाया. चंदन बेंगलुरू में घरों में टाइल्स मार्बल लगवाने का ठेका लेता है. चंदन ने काम दिलाने के नाम पर हमलोगों को वहां बुलवा लिया. जहां उसने पत्नी को कई बार चंदन के साथ देखा. जिसके बाद वह पत्नी पर घर चलने के लिए दबाव बनाने लगा. 27 मई को उसके शादी की सालगिरह थी. तभी उसे पता चला कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी चंदन के साथ मिलकर उसकी हत्या करने वाला है. वे लोग मेरी हत्या करता, उससे पहले मैंने ईंट से प्रहार कर अपनी पत्नी अमृता की हत्या कर दी और वहां से भाग कर घर चला आया. पत्नी की हत्या करने के बाद मैंने भी आत्महत्या करने की ठान ली और बाजार से सल्फास खरीद कर खा लिया. तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे यहां भर्ती कराया. इधर, शंभू की मां कौशल्या देवी ने बताया कि उसके पोते आरव ने फोन कर बताया कि उसका पिता उसकी मां की हत्या कर भाग गया है. मृतका अमृता के भाई चंडी स्थान निषाद टोला निवासी जितेंद्र ने वासुदेवपुर थाना में लिखित शिकायत किया कि उसके बहनोई शंभू ने उसकी बहन की हत्या बेगलुरु में कर दिया था और यहां भाग आया. शंभु के परिजनों ने मेरे घर पर आकर गाली-गलौज किया और शंभू के फंसने पर देख लेने की धमकी दी. वासुदेवपुर थाना पुलिस उसकी शिकायत पर दोनों के घरों पर गयी, लेकिन शंभू का परिवार नहीं मिला. जितेंद्र ने बताया कि अमृता का चार दिन बाद शुक्रवार को बेंगलुरु में ही दाह संस्कार किया गया.वासुदेवपुर थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि चंडीस्थान निषाद टोला निवासी जितेंद्र सिंह ने गाली-गलौज करने की शिकायत की है. पुलिस मामले को देख रही है. अब तक बेंगलुरु पुलिस द्वारा वासुदेवपुर थाना से कोई संपर्क नहीं किया गया है. इस परिस्थिति में हमलोग कुछ नहीं कर सकते है.

मेंस यूनियन के एक दिवसीय सेमिनार में रेलकर्मियों से जुड़ी समस्याओं को जोरदार ढंग से उठाया गया

जमालपुर। ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा जमालपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को रेलवे ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र स्थित केंद्रीय संस्थान के सभागार में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन के महामंत्री कामरेड अमित घोष उपस्थित थे। सेमिनार में अन्य वक्ता के तौर पर केंद्र की ओर से केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कामरेड कौशिक जैस, कामरेड रुपातन दास, कॉमरेड अनिल प्रसाद यादव, कॉमरेड सत्यजीत कुमार, केंद्रीय कोषाध्यक्ष कामरेड कृष्णेन्दु मुखर्जी तथा ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के कार्यकारी कमेटी सदस्य कामरेड वीरेंद्र प्रसाद यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। सेमिनार में मुख्य रूप से रेल कर्मियों से जुड़े विभिन्न मांगों के साथ-साथ जमालपुर रेल इंजन कारखाना में कार्यरत रेल कर्मियों के स्थानीय समस्याओं को मेंस यूनियन के पदाधिकारी में जोरदार ढंग से उठाया। सेमिनार के आरंभ में ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के उपाध्यक्ष कामरेड परमानंद के द्वारा झंडोतोलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके पश्चात शहीद बेदी पर माल्यार्पण तथा पुष्पार्चन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दिया गया। सेमिनार की अध्यक्षता एवं मंच संचालन कामरेड परमानंद कुमार के द्वारा किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए कॉमरेड अनिल प्रसाद यादव ने मुख्य रेलवे अस्पताल जमालपुर को मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में परिणत करने, वैगन रिपेयर हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने, जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर दस हजार करने, निर्माण से संबंधित सभी कार्य स्थाई कर्मचारियों से करवाने, यूनिफाइड पेंशन स्कीम में हो रही 10% कटौती को सूद सहित वापस करने, विद्युत इंजन, ईएमयू, मेमू के निर्माण तथा मरम्मतीकरण कार्य का लोड देने तथा कारखाना के शत प्रतिशत कर्मचारियों को इंसेंटिव देने की मांगों पर मुख्य रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन शाखा जमालपुर

लगातार संघर्षरत है एवं जब तक इन मांगों को पूरा नहीं कर लिया जाता, तब तक यह संघर्ष निरंतर चलता रहेगा। मुख्य वक्ता महामंत्री कामरेड अमित घोष ने बताया कि रेल इंजन कारखाना जमालपुर की समस्या को लेकर केंद्र भी इस लड़ाई में जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों के साथ है। इन स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक में लगातार संघर्ष चल रहा है। जिसका परिणाम है कि जमालपुर कारखाने के मुख्य रेलवे अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर पैसा दिया गया है। जल्द ही मुख्य रेलवे अस्पताल का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से बदलकर बेहतर सुविधा के साथ होगा। साथ ही साथ, ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के सतत प्रयास के बाद जमालपुर कारखाने के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर करने की बात प्रशासन द्वारा हो चुकी हैं एवं इसके लिए पैसा भी मुहैया कराया जा रहा है। जमालपुर कारखाने के कर्मचारियों को जल्द ही यह कार्य जमीनी स्तर पर होते हुए दिखेगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कारखाना कर्मियों के सैंक्शन स्ट्रैंथ को बढ़ाने के लिए भी संघर्ष जारी है एवं इसे भी जल्द हासिल किया जाएगा। साथ ही, विद्युत इंजन, ईएमयू, मेमू आदि का भी लोड जमालपुर कारखाने के लिए मुहैया कराया जाएगा। इसके लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा। यूनिफाइड पेंशन स्कीम के संबंध में उन्होंने बताया कि निश्चित पेंशन की मांग पूरी हो चुकी है परंतु कर्मचारी के वेतन से हो रहे 10 प्रतिशत कटौती को सूद सहित वापस करने का हमारा संघर्ष जारी है। इसके लिए जरूरी है कि कर्मचारी एकजुट होकर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन एवं एआईआरएफ का साथ दें। जमालपुर कारखाने के साथ-साथ अन्य जगहों पर चुनाव के समय सरकार परस्त संगठनों ने सरकार के समक्ष मौन रहकर समर्थन किया एवं बाहर आते हैं कर्मचारियों के समक्ष घड़ियाली आंसू बहाते हुए कर्मचारियों का हितैषी बताने का दिखावा करने लगे। आज जब यूनिफाइड पेंशन स्कीम में हो रहे 10% कटौती की को लेकर संघर्ष की बात आई तो वो गायब है। हम लोग चरणबद्ध आंदोलन के तरीके से यूपीएस के कर्मियों को दूर करने के लिए संघर्षरत हैं और रहेंगे। ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन जमालपुर शाखा के संयुक्त सचिव गोपाल जी ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। मौके पर शाखा के कोषाध्यक्ष रंजित कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, कमोज कुमार, रिजवान आलम, अभिमन्यु पासवान,रवींद्र यादव, पूरण सोरेन, संजीव कुमार, राहुल रमण, राजीव कुमार, अमरेंद्र कुमार, अमित कुमार राय, मंजू श्रीवास्तव, धनंजय कुमार, ललन कुमार, अभिषेक कुमार, शिशिर कुमार, शिवव्रत गौतम, गणेश कुमार, देव शंकर सिंह, पंकज कुमार, संजय कुमार, रवि शंकर कुमार, धर्मेंद्र कुमार, चंदन कुमार,देवानंद सागर, महिला कमेटी से नूतन कुमारी, मधु कुमारी, कविता कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रीति कुमारी, नीतू कुमारी, रेणु देवी सहित जमालपुर कारखाने के लगभग हजारों कर्मचारी मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस की तैयारी में जूती पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय

जमालपुर एवं आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में सैकड़ो पेड़ लगाने की है तैयारी

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। प्रकृति की आंचल में बसे जमालपुर शहर में पर्यावरणविद् के रूप में लगातार अपना योगदान देती आ रही समाजसेवी पिंकी पांडेय ने इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जमालपुर शहर को हरा भरा करने का संकल्प लिया है। अपने इस संकल्प के तहत पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जमालपुर के विभिन्न क्षेत्रों में 100 से अधिक पेड़ लगाने की तैयारी में है। विगत करीब एक दशक में ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र स्थित रेलवे क्वार्टर से लेकर काली पहाड़ी की तराई में, धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर, बरमसिया जैसे क्षेत्रों में अब तक हजारों पेड़ लगाकर एक कीर्तिमान स्थापित करने वाली पिंकी पांडेय को जमालपुर नगर परिषद प्रशासन द्वारा जमालपुर नगर क्षेत्र को हरा भरा बनाने तथा ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाने की तैयारी में

है।

सिंथेटिक सिंदूर से दूर रहने के लिए आम लोगों को बना रही जागरूक

पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय जमालपुर शहर की आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में लगातार अभियान चला रही है। लायंस क्लब, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, दधीचि विकलांग सेवा समिति, बैगर इंडियन आर्ट पंच जैसे कई सामाजिक संगठनों से जुड़कर पिंकी पांडेय पर्यावरण की रक्षा करने तथा समय-समय पर पौधारोपण कार्यक्रम चला कर आम लोगों को पर्यावरण से जोड़ने का प्रयास करती रहती है। अपने इसी प्रयास में सिंथेटिक सामग्रियों की अपेक्षा प्राकृतिक सामग्रियों के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक बना रही है। पिंकी पांडेय ने बताया कि आम महिलाओं के दैनिक उपयोग में आने वाली सिंदूर को प्राकृतिक रूप से तैयार करने के लिए उनके द्वारा सिंदूर का पेड़ लगाया गया है। इस पेड़ के बीज और कलम के माध्यम से नई पौध तैयार कर आम घरों में सिंदूर का पौधा वितरित करने की तैयारी उनके द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जमालपुर के कई महिलाओं के बीच उन्होंने सिंदूर का पौधा वितरित करते हुए उन्हें सिंदूर के पौधे में तैयार बीज से प्राकृतिक सिंदूर कैसे तैयार किया जाता है, इसको लेकर भी महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें प्राकृतिक सिंदूर के प्रति जागरूक बनाया जा रहा है। उन्हें अधिक से अधिक प्राकृतिक सिंदूर का उपयोग कर सिंथेटिक सिंदूर का बहिष्कार करने की सलाह दी जाती है। फलदार वृक्ष और ऑक्सीजन तैयार करने वाले वृक्षों को अधिक से अधिक लगाने पर दिया जाता है जोर पर्यावरणविद् पिंकी पांडेय के द्वारा जमालपुर एवं आसपास के क्षेत्र में आयुर्वेदिक औषधि गुणों से युक्त वृक्ष तथा फलदार वृक्ष के साथ-साथ अधिक से अधिक ऑक्सीजन तैयार करने वाले वृक्षों के पौधे लगाने की दिशा में उनकी टीम लगातार प्रयास करती है। जिससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा संतुलित हो सके तथा आम लोगों को औषधि और फल का भी लाभ मिल सके। किसी के तहत नीम, पीपल, बरगद, अमरूद, सहजन, शहतूत, देवदार, कटहल और आम जैसे पेड़ों को भी प्रमुखता से लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कहलगांव के डीएसपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, मामला गवाही नहीं देने का

07 जून को शेखपुरा कोर्ट में पेश होने का ऑर्डर

शेखपुरा अदालत ने कहलगांव में पदस्थापित डीएसपी कल्याण आनंद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

यह वारंट शेखोपुरसराय थाने में दर्ज हत्या के मामले में गवाही नहीं देने पर जारी हुआ।

डीएसपी आनंद 2020 में शेखोपुरसराय के एसएचओ थे जहाँ हेमंत कुमार की हत्या हुई थी।

रंजीत विद्यार्थी

शेखपुरा : भागलपुर जिले के कहलगांव में पदस्थापित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) कल्याण आनंद के खिलाफ शेखपुरा की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। स्थानीय अदालत ने 07 जून को डीएसपी कल्याण आनंद को शेखपुरा की अदालत में सदेह उपस्थित कराने का निर्देश दिया है। लोक अभियोजक उदय नारायण सिंहा ने जानकारी देते हुए बताया शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय थाना में दर्ज एक हत्या के मामले में गवाही नहीं देने पर शेखपुरा के प्रधान जिला न्यायाधीश की अदालत ने यह गिरफ्तारी वारंट किया है। उक्त हत्या मामले के अनुसंधानकर्ता डीएसपी कल्याण आनंद थे। यह मामला 2020 का है जब डीएसपी कल्याण आनंद प्रशिक्षु के रूप में शेखपुरा जिला के शेखोपुरसराय थाना के एसएचओ थे। तब 02 दिसंबर 2020 को शेखोपुरसराय थाना के कबीरपुर गांव में हेमंत कुमार नाम के युवक की हत्या हो गई थी और एसएसओ के रूप में डीएसपी कल्याण आनंद इसके अनुसंधानकर्ता थे। आनंद फिलहाल भागलपुर जिला के कहलगांव में डीएसपी हैं। हत्या के उक्त मामले में शेखपुरा की स्थानीय अदालत में अनुसंधानकर्ता की गवाही लंबित है। कई बार समन नोटिस के बाद भी गवाही के लिए उपस्थित नहीं होने पर गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश गुरुवार को पारित किया गया है।

मुंगेर में मंदिर का दिवाला टूटा तो सात भेजे गए जेल, लेकिन 'विद्या का मंदिर' टूटा तो अब तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

महमदा - गढीरामपुर मामले में पुलिस दिखी मुस्तैद, स्कूल भवन तोड़ने के मामले में बनी है उदासीन

रंजीत विद्यार्थी

बरियारपुर (मुंगेर) : मुंगेर जिले के नयारामनगर थाना अंतर्गत श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी का असामाजिक तत्वों के द्वारा दीवाल क्षतिग्रस्त किए जाने के उपरांत महमदा पाटम एवं गढीरामपुर गांव के बीच आस्था के नाम पर हुए हिंसक वारदात के मामले में मुंगेर पुलिस ने जिस प्रकार से अपना एक्शन मोड दिखाया और सात लोगों को घटना वाले रात्रि में ही गिरफ्तार कर अगले दिन ही जेल भेज दिया. यह काबिले तारीफ है. दोनों गांव के बीच तनाव को देखते हुए पुलिस महामद गांव के समीप मंदिर के निकट आज भी वहां कैंप कर रही है. वही दुसरी ओर बरियारपुर थाना अंतर्गत मध्य विद्यालय फुलकिया जो की 'विद्या का मंदिर' हैं (स्कूल भवन) को स्थानीय सत्ता संरक्षित दबंगो के द्वारा काली मंदिर के रास्ता निर्माण के नाम पर जेसीबी मशीन से ध्वस्तु किए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के एक सप्ताह बाद भी पुलिस द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं किया जाना पुलिस पुलिस की उदासीनता को दर्शाता है. विद्या के मंदिर स्कूल भवन तोड़ने के मामले में पुलिस ने सिर्फ रास्ता निर्माण पर रोक लगाकर मात्रा खानापूर्ति की. ऐसा बरियारपुर प्रखंड क्षेत्र के लोगों का कहना है.पुलिस रोक के बावजूद सत्ता संरक्षित दबंग ध्वस्त किए गए विद्या के मंदिर के मलवे से चोरी छिपे रात्रि में रास्ता का निर्माण कर रहे हैं. लोग अब सवाल उठाने लगे हैं कि श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर का दिवाला टूटा है, तो जिला प्रशासन और पुलिस आस्था के नाम पर त्वरित कार्रवाई करती है. वहीं दूसरी ओर जब दबंगों द्वारा बिना जिला प्रशासन से अनुमति लिए विद्या का मंदिर (स्कूल भवन) को जेसीबी मशीन से तोड़कर काली मंदिर के नाम पर रास्ता का निर्माण करता है तो फिर जिला प्रशासन और पुलिस खामोश, बेबस और लाचार क्यों है ? मुंगेर के फिजाओं में एक अहम सवाल जो तैर रहा है, वह जिला प्रशासन और पुलिस के कार्य प्रणाली पर सवाल उठाने के लिए काफी है. ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का कहना है कि मंदिर

आस्था का केंद्र है तो विद्यालय 'ज्ञान का मंदिर' है. विद्या के मंदिर स्कूल में देश के नोनीहाल ज्ञान अर्जित कर अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हैं. जिला प्रशासन और पुलिस को विद्या के मंदिर स्कूल भवन को भी मंदिर की तरह समझना चाहिए. शिक्षा विभाग भी इस मामले में आखिर क्यों उदासीन बनी हुई है? शिक्षा विभाग के डीपीओ से जब मीडिया कर्मी बात करते हैं तो उनका एक ही रटा - रटाया जवाब मिलता है की डीएम साहब को पत्र लिखे हैं. आदेश मिलने के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा. इतना कह कर डीपीओ साहब अपना पल्ला झाड़ लेते हैं. दबंगों द्वारा स्कूल भवन को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किए जाने की घटना को सप्ताह बीतनने को है, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से अब तक डीपीओ शिक्षा विभाग को किसी प्रकार का निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है. जिला समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पप्पू यादव, जिला राजद के महासचिव संतोष कुमार यादव, प्रदेश महासचिव पंकज कुमार यादव, प्रमोद यादव, बिहार फूले अंबेडकर विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष मणि कुमार अकेला, जन सूराज के संस्थापक सदस्य सह बेगूसराय जिला प्रभारी मो. साहब मलिक, लोकमंच (सामाजिक एवं सांस्कृतिक) संस्था के महासचिव विनय कुमार सिंह सहित आनंद नेताओं तथा सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि जिला प्रशासन और पुलिस सत्ता संरक्षित नेताओं के दबाव में बेबस और लाचार बना हुआ है. जिसका परिणाम है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी सत्ता संरक्षित दबंग किस्म के लोग काली मंदिर के नाम पर स्कूल भवन को तोड़कर रास्ता का निर्माण कर रहे हैं. स्थानीय ग्रामीण इतना दबंग से भयभीत है कि अपना मुंह खोलने को तैयार नहीं है. राजद के जिला महासचिव संतोष कुमार यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्रीय विधायक प्रणव यादव और क्षेत्रीय सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी इस मामले में आखिर खामोश क्यों है ? जो सवालों के घेरे में है. क्षेत्रीय जिला परिषद सदस्य दुर्गेश सिंह सहित स्थानीय मुखिया और पंचायत प्रतिनिधि की खामोशी भी सवालों के घेरे में है. बरियारपुर में बिहार सरकार मे पूर्व मंत्री रहे एक रहनुमा का आवास भी है. वे भी मूकदर्शक बने हुए हैं. मुंगेर विधानसभा से राजद के प्रत्याशी रहे अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव ने क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन का जायजा लेना तक मुनासिब समझा. विद्या के मंदिर को दबंगों द्वारा ध्वस्त किए जाने और काली मंदिर के नाम पर रास्ता निर्माण दबंगों द्वारा सत्ता के संरक्षण में कराए जाने से स्थानीय लोगों सहित क्षेत्र वासियों में आक्रोश गहराता जा रहा है, जो किसी भी वक्त आंदोलन का रूप अख्तियार कर सकता है.

अहिल्यादेवी होलकरः दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासक

ललित गर्ग

रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है।

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब

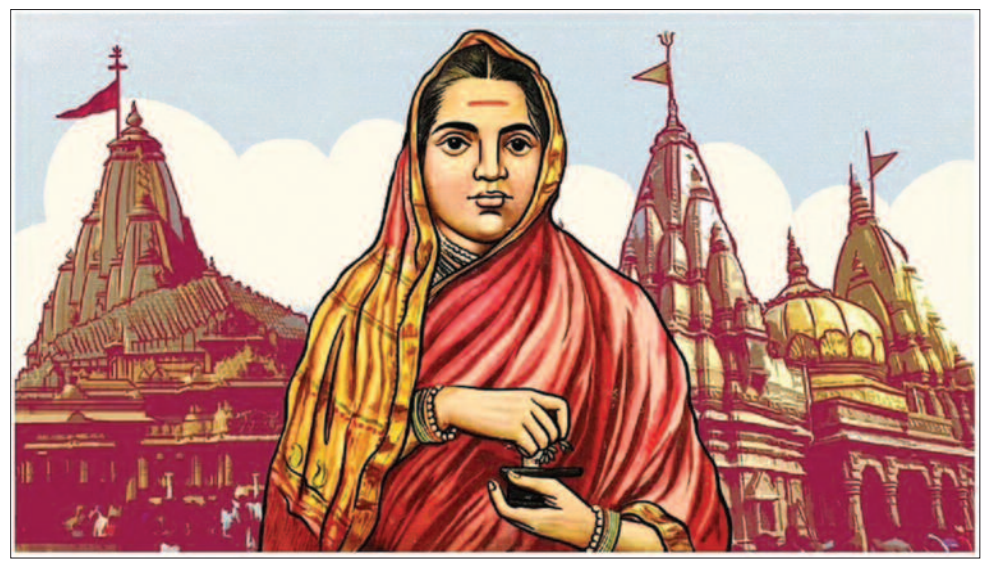

उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही। साथ ही साथ उनकी राजधानी साहित्यिक, संगीतात्मक, कलात्मक और औद्योगिक गतिविधियों के एक बेहतरीन स्थान में परिवर्तित हो गई। कवियों, कलाकारों, मूर्तिकारों और विद्वानों का उनके राज्य में स्वागत किया गया, क्योंकि वे उनके काम को बहुत सम्मान दिया करती थीं।

रानी अहिल्याबाई ने अपने समय में विभिन्न दिशाओं में सृजन की ऋचाएं लिखी हैं, नया इतिहास रचा है। अपनी योग्यता और क्षमता से स्वयं को साबित किया है। नारी शासक के रूप उन्होंने एक छलांग लगाई, राज-व्यवस्था एवं उन्नत समाज संरचना को निर्मित करते हुए जीवन की आदर्श परिभाषाएं गढ़ी थीं। वह अपनी प्रजा को अपनी संतान मानती थी। उन्होंने अपने शासनकाल में कई कानूनों को समाप्त किया, किसानों का लगान कम किया, कृषि, उद्योग धन्धों को सुविधा देकर विकास के अनेक काम किए। चोर, डाकुओं एवं अन्य अपराधियों को सही रास्ते पर लाकर उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर उनकी जीवन दिशाएं बदली। रानी अहिल्याबाई महान् परोपकारी, संवेदनशील एवं करूणामयी थी। राहगीरों, गरीबों, विकलांगों, साधु- संतों,पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं सभी का ध्यान रखती थी यहां तक कि अपने सैनिकों, कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी वह कभी पीछे नहीं हटी। मन्दिरों का जीर्णोद्धार, पर्यावरण एवं जलसंधारण, विधि एवं न्याय व्यवस्था, नारी सम्मान और नारी शिक्षा, व्यापार, कौशल-विकास आदि उनके शासन की विशेष उपलब्धियां बनी। अहिल्याबाई का हृदय समाज के सभी वर्गों के लिए धड़कता था।

रानी अहिल्याबाई हिन्दू धर्म की पुरोधा, उन्नायक एवं रक्षक थी। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम, जगन्नाथ पुरी, द्वारका, पैठण, महेश्वर, वृंदावन, सुपलेश्वर, उज्जैन, पुष्कर, पंढरपुर, चिंचवाड़, चिखलदा, आलमपुर, देवप्रयाग, राजापुर स्थानों पर मंदिरों का पुनर्निर्माण करवाया तथा घाट बनवाएं और धर्मशालाएं खुलवाए, जहां लोगों को प्रतिदिन भोजन मिलता था। काशी विश्वेश्वर मंदिर के साथ-साथ पूरे देश के मंदिरों का निर्माण व पुनर्निर्माण का कार्य रानी ने करवाया। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग में तीर्थ यात्रा के लिए विश्रामगृह, अयोध्या, नासिक में भगवान श्रीराम के मंदिरों का निर्माण, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, उज्जैन में चिंतामणि गणपति मंदिर निर्माण-ये सभी कार्य रानी ने दिल खोलकर किए हैं। उन्होंने कल्याणकारी व परोपकारी कार्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण का महत्ती कार्य भी किया तथा देश में धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एकता कायम करने के लिए सराहनीय प्रयास किए। अहिल्याबाई ने महेश्वर में वस्त्र उद्योग भी स्थापित किया, जो वर्तमान में अपनी महेश्वरी साड़ियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। शासन से लेकर संस्कार तक, साहित्य से लेकर समाज-निर्माण तक अनुभव गुम्फित है। न केवल राजनीति के क्षेत्र में बल्कि व्यक्ति निर्माण एवं समाज निर्माण के क्षेत्र में भी आपके विचारों का क्रांतिकारी प्रभाव देखने को मिलता है।

'दार्शनिक महारानी' की उपाधि से सम्मानित, अहिल्याबाई का 13 अगस्त 1795 को सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया। रानी अहिल्याबाई में इतिहास के गौरवशाली वीरों के गुण देखने को मिलते हैं। कोई भी महिला इतनी सर्वगुण संपन्न कैसे हो सकती है? इतिहास, वर्तमान और भविष्य में केवल एक ही नारी में इतने गुणों का समावेश होना संभव ही नहीं है। धर्माचरण, शासन प्रबंध, विद्वानों का सम्मान व न्याय, दानशीलता ,उदार धर्म नीति, भक्ति भावना, वीरता, त्याग व बलिदान, साहस, शौर्य से परिपूर्ण रानी अहिल्याबाई युगों- युगों तक अमर रहेगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

पेड़ कटाई पर 'सुप्रीम' सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को राजधानी के रिज क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए पेड़.काटने पर अवमानना का दोषी ठहराया। आदेशों का जानबूझकर पालन न करने को गलत प्रशासनिक निर्णय ठहराते हुए, व्यापक वनरोपण का आदेश दिया। साथ ही अधिकारियों पर पच्चीस हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। इससे पहले भी पेड़ों की अवैध कटाई को सुप्रीम कोर्ट ने इंसान की हत्या से भी बदतर कहा। पीठ ने संबंधित प्राधिकरण की अनुमति के बगैर पेड़ों की अवैध

कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर कोई दया न दिखाने को कहा। माना जा रहा है कि अदालत द्वारा मानक तय कर दिया गया है, ताकि ऐसे मामलों में जुमार्ना लगाया जाए। पीठ ने इतने पेड़.लगाने व हरित क्षेत्र बनाने में सौ साल का वक्त लगने की बात भी की। देश में सरकार की अनुमति के बगैर हरे वृक्षों को काटने पर पाबंदी के बावजूद बड़ी संख्या में पेड़.काटे जाते हैं। पेड़.काटने के लिए लाइसेंस लेना पड़ता है, जिसमें पेड़. का विवरण, उसकी शाखाएं, स्वामित्व का प्रमाण व स्थिति के विषय में विवरण देना होता है। वन क्षेत्र की कमी व तेजी होते शहरीकरण, औद्योगीकरण, वनों के अवैध उपयोग के चलते पेड़ों की कटाई आम समस्या है। वन अधिनियम 1927 की धारा 26 व 379 में मामला दर्ज हो सकता है। 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना का मकसद पर्यावरण संबंधी मामलों को निपटाने के लिहाज से शुरू गया। मगर वह भी अपनी भूमिका निभाने में प्रभावी होता नहीं नजर आ रहा है। हालांकि बढ़ते यातायात को देखते हुए सड़कों को चौड़ा किया जाना भी जरूरी है और विकास के लिए अधिकरण की जाने वाली आवश्यक भूमि की अवहेलना भी नहीं की जा सकती, परंतु नियम/कानून की अवहेलना करने वालों पर सख्ती बेहद जरूरी है। वरना ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में आ चुके पर्यावरण की क्षतिपूर्ति असंभव हो सकती है। पेड़ों की अधाधुंध कटाई को वनरोपण से रोका तो नहीं जा सकता मगर कुछ हद तक लगाम जरूर लगाई जा सकती है। पुराने पेड़ों को एक-जगह से दूसरी-जगह स्थानांतरिक करने सरीखी आधुनिक तकनीक का प्रयोग करना भी संबंधित विभागों को सीखना चाहिए। क्योंकि हर मामले का निपटान अदालत द्वारा किया जाना भी मुश्किल है। इसलिए तौर-तरीकों में व्यावहारिकता को तरजीह दी जानी उचित होगी।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

किशोरों की नसों में जहर भरता तंबाकू उद्योग

योगेश कुमार गोयल

कई घातक बीमारियों के जन्मदाता हैं तंबाकू उत्पाद...

पिछले कई दशकों में तंबाकू उत्पादों को लेकर दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान करना अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते या अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोध यह प्रमाणित कर चुके हैं कि धूम्रपान अथवा तंबाकू उत्पादों के सेवन करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान सहित तमाम तंबाकू उत्पाद ऐसा धीमा जहर हैं, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटते हैं। ये शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देते है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनते हैं। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को ह्यविश्व तम्बाकू निषेध दिवसह्ण मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस ह्यअपील का पदार्फाशः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करनाह्ण थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्ण में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

कैब उद्योग : धत् कर्म से संदेह में कारोबार

रजनीश कपूर

भारत का 'कैब' उद्योग, जो कुछ वर्षों पहले तक तकनीकी नवाचार और सुविधा का प्रतीक माना जाता था, आज गंभीर विवादों और वित्तीय अनियमितताओं के कारण चर्चा में है। ब्लूस्मार्ट और ओला जैसी प्रमुख कंपनियों पर लगे धोखाधड़ी और कर चोरी के आरोपों ने न केवल उनके कारोबारी मॉडल पर सवाल उठाए हैं, बल्कि लाखों ग्राहकों के बीच अविश्वास और निराशा की भावना भी पैदा की है। ऐसी कंपनियां अब अपने ग्राहकों को ठगा हुआ महसूस करा रही हैं।

ब्लूस्मार्ट, जो 2019 में इलेक्ट्रिक वाहन-आधारित कैब सेवा के रूप में शुरू हुई थी, ने अपनी पर्यावरण-अनुकूल नीतियों और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल की थी। दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों में इसकी सेवाएं शुरू होने के बाद कंपनी ने कई बड़े निवेशकों से भारी फंडिंग प्राप्त की। हालांकि, अप्रैल, 2025 में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए खुलासे ने ब्लूस्मार्ट की मूल कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग की वित्तीय प्रथाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। सेबी ने पाया कि जेनसोल के प्रमोटरों, अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने कंपनी को दिए गए 977.75 करोड़ रुपये के ऋण का दुरुपयोग किया। यह राशि, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद और बेड़े के विस्तार के लिए थी, कथित तौर पर आलीशान फ्लैट, गोल्फ किट, और अन्य व्यक्तिगत खर्चों पर खर्च की गई। सेबी की जांच के अनुसार, कंपनी ने केवल 4,704 वाहन खरीदे, जबकि 6,400 वाहनों का वादा किया था। परिणामस्वरूप 262.13 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई। इस घोटाले का सबसे बड़ा झटका ब्लूस्मार्ट की अचानक सेवा बंदी के रूप में सामने आया जिसने अप्रैल, 2025 में इसके संचालन को ठप कर दिया। इस बंदी का असर हजारों ड्राइवरों, लाखों ग्राहकों व इनसे जुड़े कई लोगों पर पड़ा। ड्राइवरों को बिना पूर्व सूचना बेरोजगार छोड़ दिया गया जबकि ग्राहकों के वॉलेट में जमा राशि, जो लाखों रु पये में थी, फंस गई। दिल्ली के एक नियमित ग्राहक के अनुसार उन्होंने ब्लूस्मार्ट की सुविधा और पर्यावरण-अनुकूल सेवाओं की हमेशा प्रशंसा की थी, लेकिन अब उनके वॉलेट में 4,500 रुपये फंसे हुए हैं, और उन्हें रिफंड की कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

ओला कैब्स, जो भारत के कैब बाजार में अग्रणी रही है, भी हाल के वर्षों में कई विवादों में उलझी हुई है। हाल में कंपनी पर कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे हैं। आयकर विभाग की एक जांच में पता चला कि ओला ने अपने ड्राइवरों के भुगतान और किराए की राशि पर टैक्स की गणना में अनियमितताएं बरतीं। यह भी आरोप है कि ओला ने अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से फंड को गलत तरीके से स्थानांतरित किया ताकि कर देनदारियों को कम किया जा सके। गौरतलब है कि ओला कैब्स की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज प्रा. लि. ने भारत में एक अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निमार्ता कंपनी 'ओला इलेक्ट्रिक' शुरू की। परंतु आज यह कंपनी अपने ग्राहकों व आपूर्तिकताओं के साथ वित्तीय अनियमितताओं के कारण चर्चा में है। ओला ने अपने सप्लायरों और लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स को समय पर भुगतान करने में देरी की। सो, कई प्रमुख सप्लायरों ने कंपनी के साथ संबंध तोड़ लिए। एक सप्लायर ने तो ओला के खिलाफ दिवालियापन की याचिका भी दायर की जिसे बाद में कंपनी ने सुलझाने का दावा किया। ओला की लागत कम करने की रणनीति, जैसे वाहन पंजीकरण एजेंसियों के साथ अनुबंधों की पुनः बातचीत, ने बिक्री और पंजीकरण के आंकड़ों में भारी विसंगति पैदा की। फरवरी, 2025 में ओला ने 25,000 स्कूटर बेचने का दावा किया लेकिन वाहन पोर्टल पर केवल 8,390 पंजीकृत हुए। वित्तीय और परिचालन चुनौतियों के चलते ओला की बाजार हिस्सेदारी सितम्बर, 2024 में 27प्र. तक गिर गई।

ब्लूस्मार्ट और ओला से जुड़े विवादों ने ऐसे उद्योगों में ग्राहकों का विश्वास कमजोर किया है। इन घोटालों से भारत में ऐसे उद्योगों के लिए सख्त नियामक ढांचे की

आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने और ग्राहकों तथा इनसे जुड़े अन्य लोगों के हितों की रक्षा के लिए कड़े नियम लागू करने चाहिए। आयकर विभाग, सेबी जैसे नियामक निकायों को ऐसी कंपनियों की निगरानी बढ़ानी चाहिए जो बड़े पैमाने पर फंडिंग जुटाती हैं, और लाखों ग्राहकों की निर्भरता का हिस्सा हैं। उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को भी और सशक्त करने की आवश्यकता है ताकि ग्राहकों को रिफंड और मुआवजे के लिए लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े। इस स्थिति को सुधारने के लिए कंपनियों को अपनी वित्तीय प्रथाओं में पारदर्शिता लानी होगी और नियामक निकायों को कड़े कदम उठाने होंगे। जब तक ऐसा नहीं होता, ग्राहकों और ऐसी कंपनियों से जुड़े अन्य लोगों का विश्वास जीतना इन कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना रहेगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

नेत्र चिकित्सक डॉ हनुमान राम को पत्नी शोक

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराणा प्रताप चौक के समीप सिद्ध पीठ के पास जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, समकालीन जवाबदेही परिवार, बतकही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संरक्षक डॉ हनुमान राम जी के धर्मपत्नी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में डॉ हनुमान राम के धर्म पत्नी के सम्मान में सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखा एवं मृतक के आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि इस संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा,अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह ने कहा कि उनकी पत्नी एक धर्म परायण महिला थी कर्मठी एवं शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित,सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली महिला थी। गरीब एवं असहायों को हमेशा मदद किया करती थी। माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता राम भजन सिंह,पूर्व डीएसपी उदय प्रताप सिंह,नारायण सिंह,प्रसिद्ध कवि लवकुश प्रसाद सिंह,इंजीनियर अर्जुन सिंह,पूर्व दारोगा सिंहेश सिंह एवं अशोक कुमार सिंह,शिव शिष्य पुरुषोत्तम पाठक, प्रो रामविलास सिंह, पूर्व हेड मास्टर राम सुरेश सिंह,अलखदेव सिंह,अर्जुन सिंह सहित अन्य लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके आकस्मिक निधन से सामाजिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

मनु महाराज को आईजी बनने पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने बधाई दी

पटना , । बिहार के आईपीएस मनु महाराज को आईजी बनने पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने उनको बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दिया। मनु महाराज एक प्रसिद्ध भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं, जिन्हें बिहार में 'सुपर कॉप' के नाम से जाना जाता है। वह 2005 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और बिहार कैडर से संबंधित हैं। मनु महाराज मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं और उन्होंने आईआईटी रुड़की से बीटेक किया है। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा भी पास की, जिसके बाद उन्हें आईए के साथ-साथ आईपीएस के लिए भी चुना गया, लेकिन उन्होंने आईपीएस को चुना। मनु महाराज ने बिहार कर्मचारी चयन आयोग घोटाले में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार करने के लिए भी जाना जाता है।मनु महाराज को एक सख्त और प्रभावी पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता है, और उनके नाम से अपराधी डरते हैं। वह बिहार में अपने कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्हें एक रियल लाइफ सिंघम के रूप में भी देखा जाता है। भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की उन्होंने बिहार मे भी अपने कार्यकाल मे काफी सराहनीय कार्य किये है जिसकी चर्चा पूरे बिहार मे होती है और उन्होंने हमेशा से अपनी कार्य लगन से किये और जो भी जिम्मेदारी मिली उसी अच्छी तरह निभाया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा युवा मोर्चा सुमंत तिवारी मोनू सिंह ने भी बधाई दिया।

मुंगेर बंदूक फैक्ट्री में सीढी से पैर फिसलने के कारण होमगार्ड जवान की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

होमगार्ड जवान मो. जुबैर आलम का मुंगेर सदर अस्पताल में कराया गया पोस्टमार्टम

मृतक के परिजनों को मिले उचित मुआवजा और अनुकंपा पर नौकरी : साहब मालिक

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुंगेर जिले के किला परिसर स्थित बंदूक फैक्ट्री में कार्यरत होमगार्ड जवान मोहम्मद जुबैर आलम की छत से उतरते समय सीढ़ी पर पैर फिसलने से गिरकर मौत हो गई है। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है, पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस किसी को भी इस घटना की जानकारी मिली वह स्तब्ध रह गया। 45 वर्षीय होमगार्ड जवान मोहम्मद जुबैर आलम के साथ यह दुर्घटना शुक्रवार सुबह छत से उतरते समय सीढ़ी पर पैर फिसलने के बाद हुई। बताया जाता है कि जवान रात में छत पर ही सोए थे। सुबह सीढ़ी से उतरते वक्त उनका पैर फिसल गया, जिससे वह नीचे गिर गए और इस दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद जुबैर आलम की मौत से उनकी पत्नी अफसाना बेगम, पिता अब्दुल जब्बार और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक असरगंज थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव के निवासी थे और पिछले एक साल से बंदूक फैक्ट्री में सुरक्षा प्रहरी के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुटी है। मोहम्मद जुबेर आलम की मौत क की सूचना मिलते ही जन सुराज पार्टी के संस्थापक सदस्य सह बेगूसराय जिला प्रभारी मोहम्मद साहब आलम सदर अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को दुख की इस घड़ी में कम से कदम मिलाकर साथ दिया. मो. साहब मलिक ने जिला एवं पुलिस प्रशासन से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा सहित अनुकंपा पर नौकरी देने की मांग की.

प्रधानमंत्री ने एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-II (3x800 मेगावॉट) का शिलान्यास किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद (बिहार)/ नई दिल्ली पूर्वी भारत में ऊर्जा आत्म-निर्भरता को और मजबूत करते हुए, प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने 30 मई को बिहार के औरंगाबाद जिले में 29,948 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-II (3x800 मेगावॉट) का शिलान्यास किया। कुल 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं का माननीय प्रधानमंत्री ने शिलान्यास, उद्घाटन और लोकर्पण किया। कार्यक्रम के दौरान, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय कोयला और खदान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और केंद्र एवं बिहार सरकार के अन्य वरिष्ठ गणमान्य भी उपस्थित रहे। एनटीपीसी नबीनगर एसटीपीपी, स्टेज-वक्क (3x800 मेगावॉट) परियोजना अत्याधुनिक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो विद्युत उत्पादन की

सर्वाधिक एफिशिएंसी प्रदान करती है। एनटीपीसी द्वारा पानी बचाने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत नबीनगर स्टेज ।। संयंत्रों में ड्राई बॉटम ऐश हैंडलिंग सिस्टम और एयर कूल्ड कंडेंसर स्थापित किया गया है, जिससे विद्युत उत्पादन के लिए ताजे पानी की खपत में काफी कमी आएगी। इसके अलावा इस परियोजना द्वारा बिहार एवं अन्य राज्यों, जैसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब आदि को किफायती बिजली प्रदान की जाएगी। इस परियोजना से स्थानीय समुदायों, व्यवसायों और उद्योगों में ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें पूरी होंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। साथ ही, इस परियोजना से देश को ऊर्जा सुरक्षा और किफायती ऊर्जा का दोहरा उद्देश्य पूरा करने में भी मदद मिलेगी। एनटीपीसी लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत उपयोगिता कंपनी है, जो भारत में विद्युतआवश्यकताओं की पूर्ति में एक-चौथाई का योगदान देती है। इसकी स्थापित क्षमता 80 GW से अधिक है, तथा 32 GW की अतिरिक्त क्षमता निमार्णाधीन है, जिसमें 13 GW की ऊर्जा क्षमता नवीकरणीय है। कंपनी 2032 तक 60 GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनटीपीसी अपने ताप, जल, सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों द्वारा राष्ट्र में विश्वसनीय, किफायती और सतत बिजली आपूर्ति करते रहने के लिए समर्पित है। कंपनी हरित भविष्य के लिए सर्वोत्तम अभ्यासों का पालन करने, अभिनवता का विकास करने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में 200 गाड़ियों का काफिला निकला

भाजपा जिला महामंत्री सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री की सभा में जिले से लगभग 75000 हजार समर्थकों ने भाग लिया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- औरंगाबाद जिले से विक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में भाग लेने हेतु सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में 200 गाड़ियों का काफिला निकला, भाजपा जिला महामंत्री सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री की सभा में जिले से लगभग 75000 हजार समर्थकों ने भाग लिया। बताते चलें कि रोहतास के बिक्रमगंज अनुमंडल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा आयोजित की गई थी परंतु उत्साह औरंगाबाद में देखा जा रहा था। सुबह से शहर में उत्सव का माहौल रहा। भाजपा के जिला महामंत्री सतीश कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ पीएम की

सभा के लिए रवाना हुए। वाहनों के काफिला के साथ बिक्रमगंज पहुंचे। उनके साथ नगर परिषद औरंगाबाद के मुख्य पार्षद उदय गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष मनोज कुमार, चिंटू सिंह, शिव गुप्ता, कृष्णा कुमार पिंटू, सुशील कुमार रिंकू, पंकज वर्मा, वार्ड पार्षद सिकंदर हयात, खुर्शीद अहमद के साथ बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक एवं भाजपा कार्यकर्ता बिक्रमगंज पहुंचे। सभा खत्म होने के बाद औरंगाबाद पहुंचे सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पीएम की ऐतिहासिक सभा थी। 10 लाख से अधिक लोगों की भीड़ थी। उत्साहित भीड़ यह बताने के लिए काफी थी कि पीएम का जादू देश के लोगों पर छाया हुआ है। आपरेशन सिंदूर की सफलता की चर्चा सभास्थल पर हो रही थी। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने की क्षमता का जिक्र नागरिक कर रहे थे। सभा में हर वर्ग के लोग पहुंचे थे। बिहार में प्रधानमंत्री के आगमन से आगामी विधानसभा होने वाले चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत दर्ज होगी और बिहार में फिर से सुशासन की सरकार बनेगी।

शब्द वीणा औरंगाबाद द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विचार संवाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक-व- सांस्कृतिक संस्था शब्द वीणा जिला इकाई औरंगाबाद के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर विचार संवाद के क्रम में कहा कि आज ही के दिन 1826 ई0 में हिंदी भाषा का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन हुआ था जिस समय इस अखबार का प्रकाशन हुआ था उस समय पूरे हिंदुस्तान में दूर-दूर तक अंग्रेजी,फारसी,ऊर्दू एवं बांग्ला भाषा में समाचार पत्र छपते थे उस समय हिंदुस्तान की राजधानी कोलकाता थी। उत्तर प्रदेश कानपुर के एक वकील पंडित युगल किशोर शुक्ल ने फिरंगियों के नाक के नीचे हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की आधारशिला रखी और उदंत मार्तंड नाम से हिंदी समाचार पत्र प्रकाशित कराया यह समाचार पत्र सप्ताह में एक बार छपती थी सप्ताह में मंगलवार को इसका प्रकाशन किया जाता था इसी दिन से हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत मानी जाती है। हालांकि यह समाचार पत्र डेढ़ वर्ष तक ही चली। लेकिन,इन डेढ़ वर्षो में उसने अंग्रेजी सरकार की नींव हिला दी। अंग्रेजों की सरकार ने डाक शुल्क पर प्रतिबंध लगाया और इसका 79 संस्करण ही छप सका। दिसंबर 1827ई0 में इसकी

अंतिम प्रति छपी लेकिन इसने एक लकीर खींच दी जो आज भी दो शताब्दी के पश्चात इसकी चर्चा हो रही है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को माना जाता है। आज हिंदी पत्रकारिता ने कितने उतार-चढ़ाव देखे इतने वर्षों में न जाने कितनी परेशानी आई होगी हिंदी पत्रकारिता को।लेकिन यह लगातार उत्कर्ष की ओर बढ़ता गया और आजादी के बाद से तो हिंदी पत्रकारिता ने नई छाप छोड़ी है।वर्तमान परिदृश्य में ध्रुवीकरण के दौर में डिजिटलाइजेशन के जमाने में औरंगाबाद जैसे ग्रामीण जिले में भी हिंदी की दो अखबार प्रतिदिन निकलती है।नव बिहार टाइम्स और सोनवर्षा वाणी। आज पत्रकारिता एक बड़ा ही दुरुह कार्य है पत्रकारिता का जॉब मुश्किलों भरा होता है। इतना के बावजूद भी हमारे पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर औरंगाबाद जिले में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार तथा जिलाधिकारी औरंगाबाद के निदेर्शानुसार आज विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत संडास पंचायत के वार्ड संख्या 12 में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाना एवं इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करना था। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्रीमती विनीता कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि मासिक धर्म एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, जिससे संबंधित भ्रांतियों को समाप्त करना एवं स्वच्छता के प्रति सजगता लाना, समाज के समग्र स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बालिकाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज की अन्य महिलाओं को भी इस विषय में जानकारी प्रदान करें। साथ ही, किसी भी असुविधा या समस्या की स्थिति में निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी। जेंडर स्पेशलिस्ट, जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन (DHEW), श्यामली कुमारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखना, संतुलित व पोषणयुक्त आहार लेना, तथा मानसिक रूप से सकारात्मक रहना किशोरियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक श्री ब्रजेश सिंह एवं श्यामली कुमारी ने DHEW की गतिविधियों तथा महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया कि माहवारी जैसे संवेदनशील विषय पर समाज में संवाद स्थापित कर, महिलाओं और किशोरियों को जागरूक एवं आत्मविश्वासी बनाया जा सकता है। इस आयोजन में स्थानीय ग्रामीणों के साथ वार्ड सदस्य श्री रामशंकर सिंह, श्री दीपक कुमार एवं श्रीमती प्रेमलता कुमारी की सक्रिय सहभागिता रही।

जन अधिकार मोर्चा के नेता संजय केसरी ने मेयर पर लगाया एस्टीमेट घोटाला का आरोप

नगर निगम के खिलाफ जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष ने खोला मोर्चा

मुंगेर। नगर निगम मुंगेर के तथागठित एस्टीमेट घोटाला को लेकर जन अधिकार मोर्चा के बैनर तले संस्थापक अध्यक्ष संजय केसरी ने मेयर कुमकुम देवी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से जांच की मांग की है। शुक्रवार को दो नंबर गुमटी स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष संजय केशरी ने कहा कि मुंगेर महापौर कुमकुम देवी अपने चहेते ठेकेदारों को टेंडर मैनेज करने के लिए लेस टेंडर भरवाने एवं अवांछित ठेकेदारों से टेंडर वापसी करवाने का खेल कर रही है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच शुरू होते ही सबूत मिलने लगेगा। उन्होंने कहा कि अवांछित ठेकेदारों को हार्ड कॉपी के बहाने टरकाया जा रहा है। जबकि बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी निविदा के कागजात केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जायेंगे तथा हार्ड कॉपी जमा करना आवश्यक नहीं है। मोर्चा नेता संजय केसरी ने सीधे-सीधे मेयर कुमकुम देवी पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि प्राक्कलित राशि से 34% कम पर टेंडर भरना, 23% ऑफिस खर्चा और 10% ठेकेदारों का लाभ के बाद बचे 33% में से जीएसटी काटने के बाद भी ठेकेदार काम करने के लिए मारामारी करते हैं तो कार्य की गुणवत्ता नहीं होती है या अनाप-शनाप टेंडर राशि का

निर्धारण हो रहा है। संवाददाता सम्मेलन में संयुक्ता सिंह चौहान, जूली शर्मा, अजय प्रसाद सिंह, राम बिनय मालाकार, निरंजन गुप्ता, केशव केशरी एवं सदानंद भारती ने कहा कि इस बार निगरानी जांच के साथ-साथ उच्चस्तरीय विभागीय जांच के लिए भी पहल की जाएगी। निगरानी विभाग द्वारा मुंगेर नगर निगम के टेंडर घोटाला की चल रही जांच के बावजूद घोटालेबाजों के हौसले इतने बुलंद है कि टेंडर आमंत्रण सूचना संख्या 01/2025-26, 02/2025-26 तथा 03/2025-26 में भी जमकर टेंडर घोटाला एवं एस्टीमेट राशि घोटाला एवं लेस टेंडर वापसी घोटाला किया जा रहा है। दूसरी तरफ मेयर कुमकुम देवी ने जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक अध्यक्ष संजय केसरी को पहचानने तक से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता नहीं की कौन संजय केसरी है और क्या कुछ आरोप लगाया जा रहा है, उससे नगर निगम प्रशासन का कोई लेना-देना नहीं है। आए दिन नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विपक्षी लोग साजिश रचते रहते हैं। इस पर नगर निगम को कोई ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

वनांचल महाविद्यालय, टंडवा में क्वीज प्रतियोगिता का है आयोजन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। वनांचल महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड स्टेट फैकेल्टी डेवलपमेंट एकैडेमी के आदेश पर की गई।क्वीज प्रतियोगिता बच्चों के ज्ञान का एक त्वरित और अनौपचारिक जानकारी के लिए आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम में एन एस एस के स्वयंसेवी छात्र छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय कर्मी की सरहनीय उपस्थिति रही। प्रो नवल किशोर प्रसाद के संचालन में जहां एक ओर कार्यक्रम सफल रहा वहीं महाविद्यालय शासी निकाय के सचिव अक्षयवट पाण्डेय का कुशल अभिभावक की छत्रछाया रही।परीक्षा में काजल कुमारी,सुधा कुमारी संध्या कुमारी संदीप कुमार एवं स्वाति कुमारी क्रमशःप्रथम द्वितीय एवं त्रितीय रहे जिन्हें सचिव अक्षयवट पाण्डेय एवं प्राचार्य डॉ संजय नारायण दास ने पुरष्कृत किया। कार्यक्रम में डॉ संजय नारायण दास, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार पाठक, प्रो मनोहर चौबे, प्रो,प्रतिमा शरण,प्रो मनोज कुमार पांडेय,प्रो मनोज कुमार सिन्हा, प्रो मुनेश्वर सिंह, डॉ अनिल कुमार, डॉ सरोज तिवारी, प्रो रामदेव पासवान ,अनिल कुमार राणा, अनिल कुमार महतो ,अंसार उल हक,अशोक कुमार, प्रफुल्ल कुमार पांडेय छोटन राम,विजय राम,युगेश्वर रजक,राजेन्द्र राणा आदि उपस्थित रहे।

लखीसराय में 26 प्रोबेशनरी सब इंस्पेक्टरों की थानों में हुई पोस्टिंग, मिली नई जिम्मेदारी

14 महिला एसआई का पोस्टिंग, एसपी अजय कुमार का बड़ा फैसला

दिव्य दिनकर संवाददाता

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिला में पदस्थापित परीक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक का प्रशिक्षण अवधि समाप्त होने पर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने नए सिरे से उन्हें थानों में पोस्टिंग कर कांडों के अनुसंधान की जिम्मेदारी सौंपी है। एसपी अजय कुमार ने जिला आदेश जारी कर 26 प्रोबेशनरी सब इंस्पेक्टर को अलग-अलग थानों में पोस्टिंग कर नई जिम्मेदारी दी है। इनमें 14 महिला सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने 24 घंटे के अंदर सभी पुलिस अवर निरीक्षक को अपने-अपने पद स्थापित स्थान पर योगदान करने का आदेश दिया है। एसपी ने लखीसराय थाना से चार और कबैया थाना से दो सब इंस्पेक्टर को हटाकर नए एसआई की पोस्टिंग की है। किस सब इंसपेक्टर की किस थाने में हुई पोस्टिंग? एसआई कुंदन कुमार, लखीसराय थाना से हलसी थाना एसआई अनिल कुमार, लखीसराय थाना से पीरी बाजार थाना एसआई निकिता कुमारी, लखीसराय थाना से बड़हिया थाना एसआई अमृता सिन्हा, लखीसराय थाना से माणिकपुर थाना एसआई रजनी कुमारी, कबैया थाना से बड़हिया थाना एसआई कंचन

कुमारी, कबैया थाना से चानन थाना एसआई आदित्य कुमार झा, सूर्यगढ़ा थाना से अमहरा थाना एसआई अलका कुमारी, सूर्यगढ़ा थाना से रामगढ़ चौक थाना एसआई रोहित रंजन, सूर्यगढ़ा थाना से बड़हिया थाना एसआई राखी आनंद, बड़हिया थाना से तेतरहाट थाना एसआई सुकृति सिंह, बड़हिया थाना से माणिकपुर थाना एसआई भावना रेवराज, बड़हिया थाना से कबैया थाना एसआई प्रियंका कुमारी, मानिकपुर थाना से एससी एसटी थाना एसआई अमित कुमार, हलसी थाना से सूर्यगढ़ा थाना एसआई रोहित कुमार, हलसी थाना से वीरुपुर थाना एसआई राजेश कुमार, मेदनीचौकी थाना से हलसी थाना एसआई काजल कुमारी, रामगढ़ चौक थाना से लखीसराय थाना एसआई सौरभ कुमार, वीरुपुर थाना से लखीसराय थाना एसआई सुजाता लता, तेतरहाट थाना से मेदनीचौकी थाना एसआई पूजा कुमारी दो, चानन थाना से कबैया थाना एसआई सूरज कुमार एक, पीरी बाजार थाना से एससी एसटी थाना एसआई ब्यूटी कुमारी, मेदनी चौकी थाना से लखीसराय थाना एसआई अभिमन्यु कुमार, तकनीकी शाखा से मेदनी चौकी थाना एसआई नीतीश कुमार, तकनीकी शाखा से लखीसराय थाना एसआई अमित कुमार राजा, अमहरा थाना से सूर्यगढ़ा थाना एसआई रोहित रंजन, सूर्यगढ़ा थाना से बड़हिया थाना, एसआई पूजा, एससी एसटी थाना से सूर्यगढ़ा थाना.

संक्षिप्त समाचार

राजस्व विभाग की नई रैंकिंग में बांका नंबर 1, पटना और भागलपुर फिसले

पटना: राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा सभी अपर समाहर्त्ता (एडीएम) राजस्व कार्यालयों की अप्रैल महीने की रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस महीने बांका एडीएम कार्यालय प्रथम स्थान पर है तथा दूसरा स्थान शेखपुरा को प्राप्त हुआ है। मधुबनी पिछले महीने के छठे स्थान से इस माह तीसरे स्थान पर आ गया है। जहानाबाद दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर तो नालंदा चौथे से पांचवें स्थान पर चला गया है। औरंगाबाद बेहतर कार्य कर इस माह नौवें स्थान से छठे स्थान पर आ गया है। कैमूर अपने सातवें स्थान पर तो सीतामढ़ी आठवें स्थान पर बरकरार है। किशनगंज दसवें से नौवें और दरभंगा 11 वें से इस माह दसवें स्थान पर आ गया है। राजस्व संबंधित कार्यों के निपटारे में पूर्णिया अपर समाहर्त्ता(राजस्व) कार्यालय 11 वें, मधेपुरा 12 वें, अरवल 13 वें, पूर्वी चंपारण 14 वें, नवादा 15 वें, समस्तीपुर 16 वें, गोपालगंज 17 वें, भोजपुर 18 वें, खगड़िया 19 वें एवं कटिहार 20 वें स्थान पर हैं। सभी कार्यालयों की रैंकिंग उनके द्वारा किये गये राजस्व कार्यों के आधार पर की जाती है। इसमें एडीएम द्वारा किये गये अंचल कार्यालयों के निरीक्षण को भी शामिल किया जाता है। साथ ही एडीएम राजस्व न्यायालय में ऑनलाइन विवादों की सुनवाई के आधार पर भी अंक प्रदान किए जाते हैं।

समस्तीपुर में आभूषण विक्रेता को मारकर फेंका! पोखरे के पास मिला शव; इलाके में फैली सनसनी

बिहार: बिहार के समस्तीपुर जिले में उस समय सनसनी फैल गई, जब पुलिस ने शुक्रवार को एक आभूषण विक्रेता का शव बरामद किया। हत्या का कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। उधर, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, मामला जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने दाहु चौक के समीप पोखर से एक आभूषण विक्रेता का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान कल्याणपुर गांव निवासी अविनाश कुमार के रूप में की गई है। वह जिले के दलसिंहसराय में आभूषण का दुकान चलाता था। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले की छानबीन की जा रही है।

दुर्घटना पीड़ितों को बड़ी राहत, परिवहन आयुक्त ने लंबित बीमा क्लेम शीघ्र निपटाने के दिए कड़े निर्देश

पटना:बिहार में वाहन दुर्घटना पीड़ितों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे लंबित बीमा क्लेम के मामलों को ससमय निपटाएं। यह निर्देश बिहार मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों की एक बैठक में दिया गया। बिहार मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण की ओर से कुल 1016 मामलों में बीमा कंपनियों को 85 करोड़, 38 लाख रुपए का क्लेम आर्डर पास किया गया है। बीमा कंपनियों के स्तर से 494 दावों का निपटारा करते हुए 43.65 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। राज्य परिवहन आयुक्त ने मोटर वाहन दुर्घटना न्यायाधिकरण के सचिव को निर्देश दिया है कि अदालतों में हुई सुनवाई के आधार पर दस्तावेजों को तत्परता के साथ संबंधित अधिकारी द्वारा पोर्टल पर अपडेट कराया जाए। बैठक में परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव कृत्यानंद रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोसी और पूर्णिया में मत्स्य विकास को लेकर हुई अहम बैठक, निदेशक ने दिए रणनीतिक निर्देश

पटना:पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार के मत्स्य निदेशालय में निदेशक मत्स्य की अध्यक्षता में कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र के मत्स्य किसान उत्पादक समिति की समीक्षात्मक बैठक विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी। बैठक में बिहार राज्य की ओर से उप मत्स्य निदेशक, कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र तथा मत्स्य उत्पादक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा भाग लिया गया। बैठक के दौरान निदेशक मत्स्य ने मत्स्य किसान उत्पादक समिति से पिछले वित्तीय वर्ष में मत्स्य उत्पादन, हैचरी कल्चर एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा की तथा इस वित्तीय वर्ष के उत्पादन और मुनाफे के बारे में लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी की जानकारी ली। निदेशक मत्स्य के द्वारा मत्स्य किसान उत्पादक समिति को निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राज्य योजनाओं का लाभ लेकर मुल्य वर्धित कर सकते है। खासकर चौर विकास योजना के तहत नए तालाब निर्माण पर बल देने की बात कही। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर कल्चर, मत्स्य फिड प्रोडक्शन बढ़ाने रेफ्रिजरेटेड वाहन तथा उन्नत मत्स्य बीज योजना मे आवेदन करने का निर्देश दिया गया।

सिमरिया गंगा तट से सास का चेन छीनकर भागे बदमाश, पीछा कर रहे दामाद को बदमाशों ने मारी गोली

बेगूसराय के सिमरिया गंगा घाट पर समस्तीपुर से आए श्रद्धालुओं के साथ अप्रिय घटना हुई

अज्ञात बदमाशों ने एक महिला के गले से चेन छीनने की कोशिश की और विरोध करने पर महिला के दामाद को गोली मार दी।

घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

सिमरिया घाट पर महिला के साथ हुई चेन छिनतई

दिव्य दिनकर सवाददाता

बेगूसराय (मुगेर): बेगूसराय जिला के चकिया थाना अंतर्गत सिमरिया गंगा नदी तट पर गुरुवार की सुबह आठ बजे समस्तीपुर जिले के मकरदही से तीन-चार वाहनों पर सवार होकर आए एक दर्जन लोगों ने सिमरिया घाट पर गाड़ी लगाकर गंगा स्नान करने लगे।

इसी दौरान समस्तीपुर मकरदही निवासी जयप्रकाश की पत्नी अनुराधा देवी शौच के लिए जा रही थी। तभी सीढ़ी घाट के पास ही दो अज्ञात बदमाशों ने अनुराधा देवी के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर भागने लगा।

दामाद को मारी गोली

उनके द्वारा हल्ला करने पर महिला के दामाद गाजियाबाद निवासी संदीप कुमार गुप्ता सहित अन्य लोग बदमाशों को खदेड़ा तो दोनों बदमाशों ने कट्टा निकाल लिया और एक ने हवाई फायर की, जबकि दूसरे ने संदीप कुमार गुप्ता के पैर में गोली मारकर घायल कर दिया। बदमाश गोलीबारी करते हुए फरार हो गए, घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों ने आनन-फानन में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए एलेक्सिया अस्पताल में भर्ती कराया। यहां हालत ठीक है। घायल संदीप कुमार गुप्ता, उनकी पत्नी सोनी कुमारी ने बताया कि आठ बजे वे लोग गंगा नदी तट पर गंगा स्नान करने पहुंचे।

कपड़ा सुरक्षित स्थान पर रखकर गंगा नदी में स्नान करने की तैयारी कर रहे थे। तभी बदमाशों ने गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर भागने लगा। उन्होंने कहा कि घटना

के बाद चकिया थाना की गश्ती पुलिस वाहन पर बैठे पदाधिकारी मदद करने के बजाए घटनास्थल से वाहन के साथ गायब हो गए।

पुलिस कर्मियों पर उठाए सवाल

किसी पदाधिकारी एवं सुरक्षा बल ने गाड़ी से उतरकर बदमाशों की तरफ जाने की जुर्रत नहीं की। अपने निजी वाहन से इलाज के लिए ले जाया गया। न ही एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। छिनतई के दौरान महिला के गले में निशान आ गया है। घायल व्यक्ति की पत्नी सोनी कुमारी ने बताया कि सिमरिया गंगा नदी तट पर सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर कुछ भी नहीं है। जबकि यहां लोग दूर दूर से आते हैं। दिनदहाड़े लूटपाट, गोलीबारी, मारपीट की घटना हो रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से सिमरिया धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की। इस संबंध में चकिया थाना प्रभारी नीरज कुमार चौधरी ने घायल श्रद्धालुओं से पूछताछ करते हुए दो लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल बदमाशों को बख्शा नहीं जाएगा।

झारखंड आंदोलन के जुझारू सिपाही आलोक कुमार दूबे को मिला 'चिन्हित आंदोलनकारी' का दर्जा

युवाओं के लिए बने प्रेरणा स्रोत

रांची

झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले जुझारू नेता और प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे को झारखंड सरकार द्वारा ₹चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी₹ का दर्जा प्रदान किया गया है। यह सम्मान उस ऐतिहासिक संघर्ष की औपचारिक मान्यता है, जिसमें श्री दूबे ने छात्र नेतृत्व से लेकर जनजागरण अभियान तक निर्णायक भूमिका निभाई थी। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई आंदोलनों की अगुवाई की, लाठियां खाईं, गिरफ्तारियां झेलीं, पर आंदोलन के प्रति समर्पण कभी नहीं टूटा। उनकी प्रेरणा से छात्र और युवा वर्ग झारखंड आंदोलन की र-ीढ़ बन गया। उनके नेतृत्व में गठित ₹सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति₹ में न्यायमूर्ति लाल पिंगला नाथ शाहदेव को संयोजक और आलोक कुमार दूबे को प्रवक्ता बनाया गया। दोनों नेताओं की जोड़ी ने झारखंड के कोने-कोने में आंदोलन की लौ जलाए रखी और सभी दलों को एक मंच पर लाकर जनचेतना को गति दी। 21 सितंबर 1998 का ऐतिहासिक झारखंड बंद, आंदोलन की दिशा बदल देने वाला क्षण साबित हुआ। उस दिन जस्टिस शाहदेव और आलोक कुमार दूबे को रांची में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी पुष्टि स्वयं न्यायमूर्ति शाहदेव ने अपने लेखों में की है। एनएसयूआई कार्यालय आंदोलन का केंद्र बना रहा और वहीं से रणनीति तय की जाती थी। आलोक कुमार दूबे को राष्ट्रीय मंचों पर भी झारखंड के मुद्दे को उठाने का अवसर मिला। संसद एनेक्सी में कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष उन्होंने राज्य निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान उन्हें सोनिया गांधी, अहमद पटेल जैसे वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और समर्थन भी प्राप्त हुआ। उनकी सादगी, निष्ठा और नेतृत्व क्षमता के कारण वे आंदोलन के एक विश्वसनीय चेहरे बने। आज उन्हें मिला ₹चिन्हित आंदोलनकारी₹ का दर्जा न केवल उनके संघर्ष का सम्मान है, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो सामाजिक बदलाव की आकांक्षा रखते हैं। इसी क्रम में लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं राजेश गुप्ता को भी ₹चिन्हित आंदोलनकारी₹ का दर्जा प्रदान किया गया है। यह उन सभी का सम्मान है जिन्होंने झारखंड के सपने को साकार करने में योगदान दिया।

कल सभी स्कूलों में होगी अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी, शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश

पटना:अब निजी स्कूलों की तर्ज पर राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में भी शिक्षक और अभिभावक के बीच संवाद आयोजित किया जा रहा है। इसे लेकर शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी प्राथमिक, मध्य, उच्च एवं उच्चतर विद्यालयों में 31 मई यानी शनिवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्देश जारी किया है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में अभिभावकों की भागीदारी को मजबूत करना है। इस-ाके क्रियान्वयन को लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सभी स्तर के स्कूलों के प्रधानाध्यापक और प्रभारी शिक्ष-ाक को निर्देश जारी किया है। इस निर्देश में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि गर्मी की छुट्टियों से पहले 'पढ़ेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम' विषय पर आयोजित होने वाले संगोष्ठी का आयोजन काफी महत्वपूर्ण है। इस संगोष्ठी में स्कूल के शिक्षक और अभिभावकों के बीच छात्रों की शिक्षा, पुस्तक वितरण, गृहकार्य, स्कूल वातावरण और अनुशासन के मुद्दों पर खुलकर चर्चा होगी। इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए गये हैं।

प्रमुख निदेर्श:

कक्षा में 01 अप्रैल से 31 मई तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रमों और अभ्यास पुस्तिका का छात्र छुट्टियों

में घर पर रहकर रिवीजन करेंगे। इसके लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाएगा कि वे बच्चों को समझाकर पढ़ाए गए पाठ्यक्रम का पुर्नअभ्यास कराएं। छुट्टियों के दौरान छात्रों को पढ़ने के लिए घर पर एक ह्यपढ़ाई का कोना' (स्टडी कॉर्नर) विकसित किया जाए। निर्धारित कोने में कुर्सी या फर्श पर चटाई या बोरा बिछाकर बैठने के लिए जगह बनायी जाए। साथ ही दीवार पर कुछ पोस्टर और रुटीन चिपकाकर पढ़ने का माहौल तैयार किया जाए। इस मीटिंग के दौरान शिक्षक अभिभावकों को गर्मी की छुट्टी में छात्रों को दिए गये होमवर्क के बारे में जानकारी देंगे। सभी कक्षाओं के लिए एससीईआरटी ने गृहकार्य निर्धारित किया है और इसे ई-शिक्षाकोष पर उपलब्ध कराया गया है। शिक्षक अभिभावकों को ई-शिक्षाकोष से गृहकार्य की प्रति डाउनलोड कर उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही वर्ग शिक्षक अभिभावकों से छात्रों को मिलने वाले पाठ्य पुस्तक, अभ्यासपुस्तिका, डायरी एवं टीएलएम किट के संबंध में अवगत कराएंगे और उसके रखरखाव के संबंध में चर्चा करेंगे। पाठ्यपुस्तक के मुख पृष्ठ और पिछले पन्ने पर यातायात के नियम, साफ-सफाई, समाज में बच्चों का कैसा आचरण हो, कतार में खड़े रहना, वातावरण की साफ-सफाई एवं नागरिक बोध लिखे गए हैं, जिसे अभिभावक समझकर छुट्टी के दौरान बच्चों के साथ चर्चा करें। विद्यालय के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों से सुझाव भी लिए जाएंगे। इन प्रमुख निदेर्शों के अलावा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने आशा व्यक्त की है कि छात्र छुट्टियों के दौरान विभिन्न जगहों पर जाएंगे और परिवार के साथ भरपूर आनंद लेंगे।

महिलाओं के हाथ में आर्थिक आजादी की चाबी: जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेड का शुभारंभ

पटना:बिहार में महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक वित्तीय व्यवस्था को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत, बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेड, पटना का औपचारिक रूप से निबंधन (रजिस्ट्रेशन) हुआ । यह राज्य स्तर की एक महिला नेतृत्व वाली साख सहकारी संस्था है, जो जीविका द्वारा प्रोत्साहित की गई है। इस संस्था का उद्देश्य है कि राज्य की ग्रामीण महिलाओं को सुलभ, समयबद्ध और संरचित ऋण सुविधा उपलब्ध हो, ताकि वे अपने व्यवसाय, कृषि एवं स्वरोजगार गतिविधियों को आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ा सकें। इस अवसर पर सहकारिता विभाग, बिहार सरकार के सचिव धर्मेन्द्र सिंह एवं रजिस्टार इनायत खान ने संयुक्त रूप से बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी लिमिटेडह्व का निबंधन प्रमाणपत्र जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हिमांशु शर्मा को सौंपा। यह क्षण न केवल जीविका के लिए, बल्कि राज्य की एक करोड़ से अधिक महिला सदस्यों के लिए भी गौरवपूर्ण रहा। महिला नेतृत्व में सामूहिक हित हेतु वित्तीय संस्थान की स्थापना बिहार राज्य जीविका निधि साख सहका-री लिमिटेड उन संस्थाओं में शामिल हो गई है जो पूर्णतः महिलाओं की भागीदारी द्वारा संचालित और नियंत्रित हैं। इस सहकारी संस्था के गठन के पीछे वर्षों की जमीनी मेहनत, संस्थागत ढांचा विकास, वित्तीय साक्षरता निर्माण और सामुदायिक जागरूकता की मजबूत नींव रही है। राज्य की संकुल स्तरीय संघों (CLF) ने दीर्घकालीन जमा राशि के रूप में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, बिहार सरकार द्वारा भी वित्तीय सहायता इस संस्था को उपलब्ध कराई गई है, जिससे यह स्वावलंबी एवं सशक्त संस्था बन सके।

भारत अगले 30 वर्ष तक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अगले 30 वर्षों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। राजधानी में उद्योग मंडल सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 में भारत की आर्थिक प्रगति पर चर्चा करते हुए श्री गोयल ने कहा कि देश ने छह-सात प्रतिशत की निरंतर वृद्धि को बनाए रखा है और स्थिर मूल्यों पर इसे आठ प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच भी, हम बेहतर प्रदर्शन करने वाले उभरते बाजारों में से हैं। आज, भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, जो लगभग 690 अरब डॉलर है। पिछले तीन महीनों से हमारी मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने तरलता और मुद्रा प्रबंधन के बीच संतुलन बनाने का सराहनीय काम किया है। श्री गोयल ने भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बताते हुए कहा पिछले 20-25 वर्षों में, भारतीय कंपनियों ने साल दर साल लगभग 20 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है, जिससे भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बन गया है। एफडीआई प्रवाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा,हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों के माध्यम से विकास पथ पर वापस आ गए हैं।उन्होंने विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर प्रगति का हवाला दिया, जिसमें यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूके, चार ईएफटीए देश (आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड) और अमेरिका के साथ चल रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता शामिल हैं।

मध्य आय के जाल से बचने के लिए विश्वास, विनियमन और पारस्परिकता महत्वपूर्ण हैं :नागेश्वरन

नयी दिल्ली। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कहा कि विश्वास, विनियमन और पारस्परिकता मध्य आय के जाल से बचने और दीर्घकालिक आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने की नींव हैं। श्री नागेश्वरन ने यहां आयोजित सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में प्रतिस्पर्धी होनाः भारत के लिए नीतिगत अनिवार्यताएँ विषय पर सत्र को संबोधित करते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करने वाली कई अनूठी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रम-समृद्ध अर्थव्यवस्था वैश्विक पूंजी-गहन विकास मॉडल के विपरीत है, जो विनिर्माण और औद्योगीकरण को जटिल बनाती है। ऊर्जा परिवर्तन के लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता होती है, जो पूंजी-आधारित विकास के लिए बाधाएँ खड़ी करता है। घरेलू आय और बचत में स्थिर वृद्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन एआई और रोबोटिक्स नौकरी की स्थिरता को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की रिश्तेदारी आधारित सामाजिक संरचना व्यवसाय के विस्तार और अनुबंध प्रवर्तन में बाधा डालती है, जिससे आर्थिक प्रगति जटिल हो जाती है। सीईए ने सतत विकास और आर्थिक वृद्धि के लिए भारत की शीर्ष नीति प्राथमिकताओं पर जोर दिया जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में ऊर्जा क्षेत्र सुधारों के माध्यम से ऊर्जा संक्रमण के साथ ऊर्जा सामर्थ्य और सुरक्षा को संतुलित करना।

जियो ने अप्रैल में जोड़े रिकॉर्ड 26.4 लाख नए मोबाइल ग्राहक, फिक्स्ड ब्रॉडबैंड में भी बना दबदबा

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी रिलायंस जियो ने एक बार फिर दूरसंचार क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखते हुए इस वर्ष अप्रैल में 26 लाख 44 हजार से अधिक नए मोबाइल ग्राहक जोड़े, जिससे उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47.24 करोड़ तक पहुंच गई। दूरसंचार नियामक ट्राई की जारी अप्रैल 2025 के आंकड़ों के अनुसार, जियो ने इस माह 26 लाख 44 हजार से अधिक नए मोबाइल ग्राहक जोड़े, जिससे उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47.24 करोड़ तक पहुंच गई। जियो भारत की सबसे बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाता बनी हुई है, जिसके पास कुल 40.76 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। वहीं दूसरी ओर, एयरटेल ने अप्रैल में केवल 1.7 लाख ग्राहक जोड़े और अब उसके कुल ग्राहक 39 करोड़ हैं। इसी अवधि वोडाफोन-आइडिया को सबसे बड़ा झटका लगा है, जिसने 6.5 लाख से अधिक ग्राहक गंवाए हैं, जिससे उसका ग्राहक आधार 20.47 करोड़ रह गया है। देशभर में कुल मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अब 115.89 करोड़ हो गई है।

पंप एंड डंप मामले में फंसे अरशद वारसी, सेबी ने स्टॉक मार्केट में एंट्री पर 1 साल के लिए लगाया बैन

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट और उनके भाई पर पंप एंड डंप मामले में कार्रवाई करते हुए उनपर 1 साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मार्केट रेगुलेटर ने इन लोगों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही कुल मिलाकर इनसे 1.05 करोड़ रुपये की गलत तरीके से की गई काली कमाई को जब्त करने का भी आदेश दिया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने ये कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड (एसबीएल) के शेयरों के भाव को गलत तरीके अपना कर बढ़ाने और फिर उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने के मामले (पंप एंड डंप) में की है।

एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष से मिलीं वित्त मंत्री, ग्रामीण समृद्धि पर समर्थन मांगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। उन्होंने इस मुलाकात के दौरान रोजगार सृजन सहित एकीकृत ग्रामीण समृद्धि पहल के लिए अधिक समर्थन मांगा। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट में बताया है कि वित्त मंत्री ने एडीबी अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की। इस दौरान हुई चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत विजन के अनुरूप भारत-एडीबी साझेदारी को आकार देने पर केंद्रित थी। चर्चा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' दृष्टिकोण के साथ प्रणालीगत परिवर्तन लाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'बजट प्लस' और 'वित्त प्लस' दृष्टिकोण पर जोर दिया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि 'अंत्योदय' सिद्धांत का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने एडीबी से एकीकृत ग्रामीण समृद्धि उपायों का समर्थन करने को कहा। सीतारमण ने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रणालीगत शहरी शासन सुधार, पारगमन उन्मुख विकास, नगर निगम वित्त सुदृढ़ीकरण को प्राप्त करने के लिए बुनियादी ढांचे से आगे बढ़ने पर भी जोर दिया। एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कांडा ने 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के भारत के दृष्टिकोण को समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने भारत के विकास एजेंडे के लिए एडीबी के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया, जिसमें बैंक के अंतरराष?ट्रीय अनुभव का लाभ उठाना और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कौशल विकास, बुनियादी ढांचे, खाद्य प्रणालियों के परिवर्तन और निजी पूंजी का लाभ उठाने सहित भारत के लिए निरंतर समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन सही दिशा में उठाए गए कदम : सुनील मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने उद्योग जगत से बड़े लक्ष्यों की आकांक्षा रखने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने देश के विकास में सभी हितधारकों के साथ विश्वास स्थापित करने की बात कही। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट' में उन्होंने देश की क्षमता का निर्माण करने के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 5जी डिप्लॉयमेंट में भारत की सफलता का उदाहरण भी दिया। मित्तल ने कहा कि राष्ट्र को जनसांख्यिकीय लाभांश को पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत का युवा और ऊर्जावान वर्कफोर्स विकसित दुनिया के लिए एक परिसंपत्ति हो सकता है, लेकिन उद्योग और सरकार को इस टैलेंट पूल को भविष्य में नौकरी के लिए तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए। सुनील मित्तल ने कहा, भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का तेजी से विकास इसका एक स्पष्ट संकेत है। रिसर्च और डेवलपमेंट फ्रंट पर देश को इनोवेशन के साथ-साथ डीप साइंटिफिक रिसर्च में अपने निवेश को बढ़ाने की आवश्यकता है तथा उद्योग को इसमें अग्रणी भूमिका निभाने की जरूरत है। मित्तल ने कहा कि आरएंडडी में सार्वजनिक-निजी भागीदारी भारत में मल्टीप्लायर इफेक्ट पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, हमें उद्देश्य-संचालित उत्पाद और सेवाएं बनाने तथा अधिक वैल्यू एडिशन के साथ निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अगले 10 वर्षों में, सही निवेश के साथ, हम एक बड़ा परिवर्तन देख सकते हैं, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर में, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

केंद्र ने सीएसएस और सीएस के मूल्यांकन और अनुमोदन की 5 वर्षीय प्रक्रिया शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (सीएस) के मूल्यांकन और अनुमोदन की पांच साल की प्रक्रिया शुरू की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की और अगले पांच वर्षों में जारी रखने के लिए 'केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) और केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (सीएस) के मूल्यांकन और अनुमोदन' के लिए एक विस्तृत अभ्यास शुरू किया। नया 5 वर्षीय चक्र 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होगा और 16वें वित्त आयोग (एफसी) चक्र के साथ संरेखित है। मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यशाला की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन ने की। कार्यशाला में वित्त सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, व्यय विभाग के सचिव वुमलुनमंग वुलनाम और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिव शामिल हुए। विभिन्न मंत्रालयों के वित्तीय सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यशाला में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सरकार की घोषित नीति के अनुसार नीति आयोग में विकास निगरानी मूल्यांकन संगठन (डीएमईओ) सीएसएस का मूल्यांकन कर रहा है, जबकि सीएस का मूल्यांकन संबंधित मंत्रालयों द्वारा चयनित तीसरे पक्ष की एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।

रक्षा क्षेत्र के तीन डीपीएसयू को मिलेगा मिनी रत्न का दर्जा, रक्षा मंत्री ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) और इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) को 'मिनी रत्न' का दर्जा दिया जाएगा। तीन साल की अवधि में सरकारी संगठन से लाभ कमाने वाली कॉर्पोरेट इकाई में तब्दील होने के लिए इन डीपीएसयू को रक्षा मंत्री ने श्रेणी-ढ्ढ का दर्जा देने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने टर्नओवर बढ़ाने, स्वदेशीकरण में सहयोग करने और अन्य मापदंडों को पूरा करने के लिए तीनों कंपनियों के प्रबंधन की भूमिका को सराहा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड ने अपनी स्थापना के बाद से ही कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें 2021-22 में 3314 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 8214 करोड़ रुपये (अनंतिम) तक की बिक्री में 200 फीसदी से अधिक की शानदार वृद्धि शामिल है। निर्यात के मोर्चे पर एमआईएल ने वित्त वर्ष 2021-22 में 22.55 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 3081 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हासिल की है। एमआईएल के प्रमुख उत्पादों में छोटे, मध्यम और उच्च कैलिबर के गोला-बारूद, मोर्टार, रॉकेट, हैंड ग्रेनेड आदि शामिल हैं। बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड ने 2021-22 में 2569.26 करोड़ रुपये से लेकर वित्त वर्ष 2024-25 में 4946 करोड़ रुपये (अनंतिम) तक की बिक्री में लगभग 190 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। एवीएनएल ने सभी 3 प्लेटफार्मों यानी टी-72, टी-90 और बीएमपी-ढ्ढ के लिए इंजनों का 100 फीसदी स्वदेशीकरण भी हासिल किया है। इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में अपनी बिक्री को 2021-22 में 562.12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2024-25 में 1541.38 करोड़ रुपये (अनंतिम) कर दिया है, जो 250 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। मंत्रालय के अनुसार मिनी रत्न का दर्जा दिए जाने से ये कंपनियां रक्षा उत्पादन और निर्यात में तेजी से विकास और नई ऊंचाइयों को हासिल करने में सक्षम होंगी।

आरबीआई के पास मौजूद सोने का मूल्य 57.12 फीसदी बढ़कर 4.32 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने (स्वर्ण जमा सहित) का मूल्य 31 मार्च, 2025 तक 57.12 फीसदी बढ़कर 4,31,624.8 करोड़ रुपये हो गया है। इसकी वजह सोने की मात्रा में 54.13 टन की वृद्धि और इसकी कीमतों में बढ़ोतरी रही है। बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने का मूल्य 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड़ रुपये था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि 31 मार्च, 2025 तक केंद्रीय बैंक के पास कुल सोना 879.58 टन था, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 822.10 टन था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में सोने की मात्रा में 57.48 टन की वृद्धि को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च, 2025 तक 879.58 टन में से 311.38 टन सोना निर्गम विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखा गया, जबकि 31 मार्च, 2024 तक निर्गम विभाग के पास 308.03 टन सोना रखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में 31 मार्च, 2025 तक शेष 568.20 टन सोना रखा गया, जबकि 31 मार्च, 2024 तक यह 514.07 टन था। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि बैंकिंग विभाग की परिसंपत्ति के रूप में रखे गए सोने (स्वर्ण जमा सहित) का मूल्य 57.12 फीसदी बढ़कर 31 मार्च, 2025 तक 4,31,624.80 करोड़ रुपये हो गया। यह 31 मार्च, 2024 तक 2,74,714.27 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट में कहा गया कि सोने की मात्रा में 54.13 टन की वृद्धिज्सोने की कीमत में तेजी और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के मूल्यह्रास की वजह से हुई है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक नोटों की छपाई के खर्च में एक-चौथाई वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक नोट की छपाई पर होने वाला खर्च सालाना आधार पर करीब 25 फीसदी बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपये हो गया है।

विकसित भारत के लिए देश में बढ़ानी होगी श्रम उत्पादकता : सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता में निरंतर वृद्धि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में अपने संबोधन में बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता बढ़ने से अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाकर और श्रम गतिविधि को बढ़ाकर उच्च मूल्य संवर्धन होगा। इससे आय बढ़ाने, देश के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और बेजोड़ जनसांख्यिकी की क्षमता का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत में श्रम उत्पादकता में अपेक्षित गति से सुधार नहीं हो रहा है। क्रय शक्ति समता में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका के आकार का आधा है, जबकि श्रम शक्ति का आकार अमेरिका के आकार का तीन गुना है।हमारा उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए श्रम शक्ति का लाभ उठाना और बेहतर रोजगार पैदा करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पादकता में ठहराव की समस्या का सामना यूके और कनाडा जैसे देशों को करना पड़ रहा है, जबकि भारत में उत्पादकता बढ़ रही है, हालांकि, यह चीन और आसियान की तुलना में कम है। बेरी ने कहा, भारत को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आत्मनिर्भरता और वैश्विक जुड़ाव का मिश्रण अपनाना चाहिए। हमें जर्मनी जैसे देशों की तरह भारत के लघु और मध्यम उद्योगों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारतीय उद्योगों ने 1991 के सुधारों को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ उद्योगों के साथ प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने का आत्मविश्वास हासिल कर लिया है।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में दीव एक राष्ट्रीय उदाहरण : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दीव अक्षय ऊर्जा अपनाने में एक राष्ट्रीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यहां दिन के समय बिजली की पूरी मांग सौर ऊर्जा से पूरी की जाती है। केंद्रीय मंत्री ने दीव में सौर ऊर्जा प्रगति की समीक्षा की और पीएम-सूर्य घर योजना के तेजी से कार्यान्वयन का आह्वान किया। प्रल्हाद जोशी ने दीव का दौरा किया और सौर ऊर्जा को अपनाने में इसकी महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने 'एम-सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना' के कार्यान्वयन का आकलन किया। केंद्रीय मंत्री ने दीव की इस असाधारण उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह भारत का पहला जिला है, जिसने बिजली की अपनी पूरी मांग सौर ऊर्जा से पूरी की और इसने 11.88 मेगावाट (9 मेगावाट जमीन पर स्थापित +2.88 मेगावाट छत पर) क्षमता हासिल की है।

केंद्रीय मंत्री ने दीव में प्रमुख सौर ऊर्जा सुविधाओं का दौरा किया, जिसमें फुदम स्थित 9 मेगावाट का सौर पार्क भी शामिल है। सौर पार्क दीव के सतत परिवर्तन का प्रतीक है और क्षेत्र की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जोशी ने कहा कि फुदम सौर पार्क ने पारेषण और वितरण (टीएंडडी) घाटे को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और बिजली दरों में संशोधन को सक्षम बनाया है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उन्हें अधिक किफायती बनाया जा सके। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके सकारात?मक दृष्टिकोण और दूरदर्शिता ने इस स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अक्षय ऊर्जा के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चर्चा करते हुए प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पिछले दशक में दीव में अक्षय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे में किए गए पूंजी निवेश की भरपाई सौर ऊर्जा की आपूर्ति और बिक्री के जरिए पहले ही हो चुकी है। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए इसके लाभों को अधिकतम करने और कुल घरेलू संपूर्णता को प्राप्त करने के लिए पीएम-सूर्य घर योजना को और भी तेज एवं अधिक प्रभावी कार्यान्वयन का आह्वान किया। जोशी ने कहा कि इस यात्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के प्रत्येक भाग में स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल में तेजी लाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

केंद्र ने तय की गेहूं की स्टॉक सीमा, व्यापारियों को 15 दिन में घटाना होगा स्टॉक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और बाजार में कीमत को स्थिर रखने के लिए थोक व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा लागू कर दी है। थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेताओं, व्यापारियों, स्टॉकिस्टों और प्रोसेसरों पर गेहूं की स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगी। खाद्य मंत्रालय की ओर से जारी निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और आवागमन प्रतिबंधों को हटाने (संशोधन) आदेश 27 मई को जारी किया गया है, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। इस आदेश के तहत प्रत्येक श्रेणी के लिए विशिष्ट मात्रा निर्धारित की गई है, जबकि उन्हें अगले 15 दिनों के भीतर निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में गेहूं का निपटान करने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक अब थोक व्यापारी 3 हजार मीट्रिक टन गेहूं रख सकते हैं, जबकि खुदरा विक्रेता के लिए स्टॉक की सीमा 10 मीट्रिक टन रखी गई है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक स्टॉक की जानकारी सभी गेहूं भंडारण संस्थाओं को प्रत्येक शुक्रवार को गेहूं स्टॉक पोर्टल https://evegoils.nic.in/wsp/log in पर देना है, जिसे समय के साथ https://foodstock.dfpd.gov.in पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। गेहूं की स्टॉक की स्थिति घोषित करना आवश्यक है। यदि कोई भी संस्था पोर्टल पर पंजीकृत नहीं पाई गई या स्टॉक सीमा का उल्लंघन करती पाई गई, तो उसके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6 और 7 के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भारतीयों की छुट्टियों का ट्रेंड बदला: अनुभवात्मक यात्रा और ज्यादा खर्च की ओर रुझान

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यक्तिगत विकास, पारिवारिक जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव का साधन बन चुकी भारतीयों की यात्रा का ट्रेंड लगातार बदल रहा है और पर्यटक अब गहराई से अनुभव करने के इरादे से यात्रा कर रहे हैं। थॉमस कुक (इंडिया) लिमटेड और उसकी ग्रुप कंपनी एसओटीसी ट्रैवल की जारी इंडिया हॉलिडे रिपोर्ट 2025 से स्पष्ट होता है कि भारतीय यात्री अब सिर्फ़ घूमने नहीं, बल्कि गहराई से अनुभव करने के इरादे से यात्रा कर रहे हैं। 2500 से अधिक उत्तरदाताओं पर आधारित इस सर्वे में भारतीयों की बदलती यात्रा आदतों, प्राथमिकताओं और खर्च की प्रवृत्तियों की गहन झलक मिलती है। रिपोर्ट इस ओर इशारा करती है कि अब यात्रा भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 85 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वे वर्ष 2025 में अपनी छुट्टियों की आवृत्ति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। वहीं, 84 प्रतिशत लोग अपने यात्रा बजट को 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अब छोटी छुट्टियों के साथ-साथ लंबी छुट्टियों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। 54 प्रतिशत उत्तरदाता 5-10 दिनों की लंबी छुट्टियों की योजना बना रहे हैं।

वित्त वर्ष 2026 में भारत के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। आरबीआई ने अपनी '2024-2025 वार्षिक रिपोर्ट' में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों, वित्तीय क्षेत्र और सस्टेनेबल विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ वित्त वर्ष 2026 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक और व्यापार तनाव, सप्लाई चेन व्यवधान, जलवायु से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद यह वृद्धि बनी रहेगी। सभी कारक 'ग्रोथ आउटलुक' के लिए डाउनसाइड और 'मुद्रास्फीति आउटलुक' के लिए ऊपर की ओर जोखिम पैदा करते हैं।

भारत का आउटलुक 2025-2026 के लिए आशाजनक बना हुआ है। इस आउटलुक को उपभोक्ता मांग में सुधार, बैंकों और कॉरपोरेट्स की हेल्दी बैलेंस शीट, आसान वित्तीय स्थिति, सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती और उपभोक्ता-व्यावसायिक आशावाद से मजबूती मिलेगी। साथ ही राजकोषीय कंसोलिडेशन के मार्ग पर चलते हुए पूंजीगत व्यय पर सरकार का निरंतर जोर भी इस मजबूत आउटलुक को समर्थन देगा। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है,'सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और उत्पादकता बढ़ाने वाली कई सरकारी नीतियों की वजह से 2025-26 में कृषि क्षेत्र के लिए संभावनाएं अनुकूल दिख रही हैं। साथ ही केंद्रीय बजट 2025-26 में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहलों की घोषणा की गई है।' इसके अलावा, घरेलू मांग में सुधार, उपयोग की उच्च क्षमता, कॉरपोरेट-बैंकों की हेल्दी बैलेंस शीट और उपभोक्ता-व्यावसायिक आशावाद से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को 2025-26 में और गति मिलने की उम्मीद है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का ध्यान पीएलआई योजना और नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन घोषणा के साथ मैन्युफैक्चरिंग के बेस को बढ़ाने पर है, जिसे 'मेक इन इंडिया' पहल से और अधिक बढ़ावा मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को लेकर आशावाद, आरबीआई के फॉर्वर्ड लुकिंग सर्वे में भी दिखाई देता है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने भू-राजनीतिक तनावों के बीच वित्त वर्ष 2025 में मजबूत बुनियादों और सक्रिय नीति उपायों के साथ बेहतर प्रदर्शन किया था। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, 'कई वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय वित्तीय बाजारों ने मजबूत और व्यवस्थित चाल दर्ज की है।

केंद्र सरकार ने अपने राजकोषीय कंसोलिडेशन प्रयासों को बनाए रखा, जिसे कर राजस्व में उछाल और विवेकपूर्ण व्यय प्रबंधन से सपोर्ट मिला। वहीं, एक्सटर्नल फ्रंट पर, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर प्रेषण प्रवाह ने ट्रेड डेफिसिट की भरपाई की, जिससे करंट अकाउंट डेफिसिट एक स्थायी स्तर पर रहा।'

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, सिंधु, प्रणय और ट्रिसा-गायत्री बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सिंगापुर ओपन 2025 (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के साबर करयामन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को एक घंटे 14 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 19-21, 21-16, 21-18 से हराया। हालांकि, पुरुष सिंगल्स में भारत के एच.एस. प्रणय को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। वह 42 मिनट चले मैच में 16-21, 14-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला सिंगल्स में पी.वी. सिंधु भी अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में चीन की चेन यू फेई से हार गईं। तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में सिंधु 9-21, 21-18, 16-21 से पराजित हुईं। महिला युगल में ट्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को चीन की जिया यी फैन और झांग शूशियान के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 8-21, 10-21 से हार मिली। मिक्स्ड डबल्स में भारत की रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी हांगकांग के तांग चुन मैन और त्से यिंग सुट से 10-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई।

सितंबर में भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम, चेन्नई में खेले जाएंगे तीन वनडे मुकाबले

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए भारत में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप की अहम तैयारी मानी जा रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उक्त घोषणा की।

ऑस्ट्रेलिया ए और साउथ अफ्रीका ए की पुरुष टीमें भी भारत दौरे पर आएंगी

महिला सीरीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया ए की पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जहां वह दो अनौपचारिक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी। दोनों चार दिवसीय टेस्ट मुकाबले लखनऊ में 16-19 और 23-26 सितंबर के बीच खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर को कानपुर में होंगे। दक्षिण अफ्रीका ए की पुरुष टीम का दौरा अक्टूबर-नवंबर में होगा और उनके सभी मुकाबले बेंगलुरु में आयोजित किए जाएंगे। दो अनौपचारिक टेस्ट मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 30 अक्टूबर से 2 नवंबर और 6-9 नवंबर के बीच खेले जाएंगे।

राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में चमकी मुरादाबाद की छात्रा रोनी और छात्र नैतिक

मुरादाबाद। राज्य स्तरीय योग ओलम्पियाड में मुरादाबाद के राजकीय कन्या इंटर कालेज की छात्रा रोनी और जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के छात्र नैतिक ने शानदार प्रदर्शन कर पीतलनगरी मुरादाबाद का मान बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ियों का अपने-अपने कालेज पहुंचने पर स्वागत अभिनंदन किया गया। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर लखनऊ में खेली गई प्रतियोगिता में रोनी ने सभी प्रतिभागियों को चित्त करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। वहीं नैतिक ने चौथा स्थान हासिल किया है। दोनों खिलाड़ी तमिलनाडु में होने वाले राष्ट्रीय योग ओलम्पियाड में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। रोनी और नैतिक की इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक मनोज कुमार द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने उनकी सराहना की। साथ ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वूमेन अंडर-15, 19, 23 व वूमेन सीनियर वर्ग के हुए प्रारम्भिक चयन ट्रायल

मुरादाबाद। पूर्व रणजी खिलाड़ी एव डिस्ट्रिक स्पोर्टर्स एसोसिएशन (डीएसए) के सचिव विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की वूमेन अंडर-15, 19, 23 व सीनियर वर्ग के चयन ट्रायल डीएसए द्वारा स्प्रिंगफ़ील्ड क्रिकेट अकैडमी के खेल के मैदान पर आज हुआ। इसमें मुरादाबाद, अमरोहा एवं संभल जिले की पंजीकृत वूमेन खिलाड़ियों के प्रारम्भिक चयन ट्रायल समस्त खेल सुविधाओं के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। विजय गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने पूरे कौशल के साथ अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। जिसमें चयनकर्ताओं द्वारा कई प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी चिन्हित किया गया। जिसमें कई कम आयु के बालिकाओं ने अपने खेल से सभी को प्रभावित किया। डी एस ए मुरादाबाद द्वारा नामित चयन समिति में मुजफ्फरनगर से आए वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी मयंक गौतम, पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता, वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी प्रदीप टंडन द्वारा खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखा गया व परखा गया और अधिक से अधिक खिलाड़ियों का चयन किया गया। मौहम्मद हसीन, चमन सिंह, मिर्जा दानिश, बाकर जैदी, सोनू कुमार कोच व अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: धवन के तूफान से उड़ा स्ट्राइकर्स का खेमा, वॉरियर्स की लगातार दूसरी जीत

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के तीसरे दिन का पहला मुकाबला पूरी तरह से धवन के वॉरियर्स के नाम रहा। दोपहर 3:30 बजे से शुरू हुए इस मुकाबले को इंडियन वॉरियर्स ने 6 विकेट से जीतकर लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरे अमेरिकन स्ट्राइकर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और चौथे ओवर तक उन्होंने अपने दोनों ही सलामी बल्लेबाज गौरव तोमर (16) और शोएब खान (4) के विकेट गंवा दिए। हालांकि दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरने के बावजूद अयान खान ने पारी को संभालते हुए 26 गेंदों में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से महत्वपूर्ण 48 रन बनाए। जिसके बाद टीम को पार लगाने का जिम्मा उठाया कप्तान

प्रदीप सांगवान ने, उन्होंने मलिंडा पुष्पकुमारा (35) के साथ मिलकर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से नाबाद 54 रनों की पारी खेलते हुए टीम को 8 विकेट के नुकसान पर 180 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, हालांकि उनकी मेहनत टीम को जीत न दिला सकी। लक्ष्य का पीछा करते उतरे इंडियन वॉरियर्स के सलामी बल्लेबाजों शिखर धवन और प्रियंक पंचाल ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। शिखर ने अपनी पारी के दौरान 210 के स्ट्राइक रेट से 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 39 गेंदों में 82 रन बनाए, जबकि पंचाल अर्धशतक बनाने से चूक गए और 43 रनों के निजी स्कोर पर पुष्पकुमारा का शिकार बने। उसके बाद केदार देवधर नाबाद (19) और अरुण छपराना (15) ने टीम को जीत की दहलीज पार कराई। छपराना ने गेंदबाजी में भी सहयोगी गेंदबाजों रंजीत माली और सुमित सिंह का साथ निभाते हुए क्रमशः 2-2 विकेट झटके।ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए शिखर को मैन ऑफ मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। इस जीत के साथ इंडियन वॉरियर्स पॉइंट्स टेबल में 4 अंकों के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के

सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22) , शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी। 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लेने के लिए क्रिस मोफू को मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

एजेंसी

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया।

चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती

अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत

और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है।

कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल

चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया।

अब सबकी निगाहें 31 मई पर: एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट

रहता हूं - उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो। पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं - हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए। 56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी - %अर्शदीप से आउट मत होना%। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था। उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें।

बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में हुए रोमांचक मुकाबले

एजेंसी

गुना। संजय गांधी खेल परिसर बास्केटबॉल मैदान पर तीन दिवसीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 13 वर्ष से कम आयु एवं 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 14 टीम बालिकाओं की शामिल है। जिसमें प्रत्येक टीम में 6 - 6 सदस्य शामिल हैं एवं बालक वर्ग में 9 टीम है । जिनमें 6 - 6 सदस्य शामिल हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। जिनमें खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान मौजूद दर्शन भी ताली बजाकर खिलडियों का उत्साहवर्धन करते रहे। खेल और युवा कल्याण विभाग के एनआईएस बास्केटबॉल प्रशिक्षक दुर्गेश सक्सेना ने बताया कि प्रथम दिन 13 वर्ष से कम आयु में फ्रेंड्स क्लब विरुद्ध गेम्स क्लब के मध्य मैच खेला गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब विजयी रही, वहीं इसी वर्ग में टाइगर क्लब विरुद्ध जुपिटर क्लब के मध्य मैच खेला गया । जिसमें टाइगर क्लब ने विजय प्राप्त की । इसके साथ ही बॉस्केटबॉल स्टार्स ने फ्रेंड्स क्लब को हराया। बालिका 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में गुना बास्केटबॉल टीम ने एक रोमांचक मैच में थंडर को हराया। इसी क्रम में अगले मैच बास्केटबॉल हापर्स विरुद्ध स्पार्टन के बीच हुआ। इस मैच में दोनों टीमों के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि जीत बास्केटबॉल हापर्स को मिली।

प्रज्ञान ओझा बने 'द लेजेनज़ी टी 10' के लीग कमिश्नर

एजेंसी

जयपुर। जयपुर में 25 जून से शुरू हो रही टेनिस बॉल क्रिकेट लीग 'द लेजेनज़ी टी 10' के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कमिश्नर नियुक्त किया गया है। 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके प्रज्ञान लीग के संचालन की देखरेख और इस नए तरह की प्रतियोगिता की सफलता व विकास को सुनिश्चित करेंगे। द लेजेनज़ी टी 10 का विज़न भारत के स्ट्रीट क्रिकेटर्स को मंच प्रदान करना है। 'गली से टीवी तक' के नारे पर केंद्रित यह लीग जुनून को पहचान में बदलने का अवसर देती है। लीग के बारे में बात करते हुए लीग कमिश्नर प्रज्ञान ओझा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, द लेजेनज़ी टी10 का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। यह ऐसा मंच है जो ग्रासरूट क्रिकेट को बड़ी पहचान से जोड़ता है। मैं भी ऐसे जुनूनी खिलाड़ियों के साथ काम करने और कुछ खास बनाने को लेकर बहुत उत्सुक हूं।द लेजेनज़ी टी 10 के

चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने कहा, हमने अपने स्थानीय पार्कों और गलियों में बहुत सारी असाधारण प्रतिभाएं देखी हैं। द लेजेनज़ी टी 10 का मंच ऐसी ही युवा प्रतिभाओं के लिए है, जिनमें अद्भुत कौशल और प्रदर्शन की भूख है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जो टेनिस बॉल क्रिकेट को हमेशा के लिए बदल कर रख देगा।÷ लीग में चार चांद लगाने के लिए पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी इरफान पठान भी इससे जुड़े रहेंगे, जो न ही सिर्फ खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, बल्कि मैदान पर उनके साथ खेलते भी नजर आएंगे। इच्छुक खिलाड़ी अपना 6 गेंदों का वीडियो और नामांकन शुल्क जमा कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले हर खिलाड़ी को द लेजेनज़ी टी10 क्रिकेट बैट स्मृति चिन्ह के रूप में दिया जाएगा। इनमें से शीर्ष 5,000 खिलाड़ियों को चयनित करके उन्हें सिल्वर टिकट दिया जाएगा, जिससे वे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु और इंदौर में आयोजित होने वाले ट्रायल्स में भाग ले सकेंगे। इन खिलाड़ियों को एक साल की ऑनलाइन क्रिकेट ट्रेनिंग मॉड्यूल तक विशेष पहुंच भी दी जाएगी। ट्रायल्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 150 खिलाड़ियों को गोल्डन टिकट मिलेगा, जिनमें से 72 खिलाड़ी ऑक्शन के माध्यम से डायमंड टिकट प्राप्त करेंगे और द लेजेनज़ी टी10 लीग में खेलेंगे। बाकी 78 खिलाड़ी गोल्डन टिकट बनाए रखेंगे और अगले सीज़न में सीधे खेलने का मौका पाएंगे।

पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रहा

मुरादाबाद। 24वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में आयोजित हो रही 28वीं अंतर्वाहिनी पीएसी पश्चिमी जोन हॉकी प्रतियोगिता दूसरे दिन भी जारी रही। आज विभिन्न जोन की टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तथा सेमीफाइनल मैच खेले गए। आयोजन सचिव सेना नायक रमेश प्रसाद गुप्ता ने बताया कि पहले क्वार्टर फाइनल मैच में 43वीं वाहिनी एटा ने 8वीं वाहिनी बरेली को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच में 28वीं वाहिनी इटावा और 49वीं वाहिनी गौतमबुद्धनगर के मध्य दूसरा क्वार्टर फाइनल खेला गया जिसमें 28वीं वाहिनी ने 49वीं वाहिनी को पेनाल्टी शूटआउट में 2-0 से हराकर मैच अपने नाम किया। उसके उपरांत तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच मेजबान 24वीं वाहिनी मुरादाबाद और 38वीं वाहिनी अलीगढ़ के मध्य खेला गया।

आईपीएल 2025: पंजाब को हराकर फाइनल में पहुंची आरसीबी

एजेंसी

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को क्वालिफायर 1 मुकाबले में आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मुल्लांपुर के यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में खेले गए मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पंजाब किंग्स की टीम को 14.1 ओवर में महज 101 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। आरसीबी की टीम ने इस आसान लक्ष्य को केवल 10 ओवर में ही हासिल कर लिया। उल्लेखनीय है कि पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना

क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

छठे एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के लिए देश के शीर्ष सर्फर तैयार

एजेंसी

मंगलुरु। भारत की सर्फिंग दुनिया की नजरें एक बार फिर कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु पर टिकी हैं, जहां तन्निरभवी इको बीच पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (एनएमपीए आईओएस) शुरू होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 30 मई से 1 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी और 2025 नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज़ का दूसरा पड़ाव होगी। सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन की ओर से आयोजित और मंतर सर्फ क्लब की मेजबानी में इस प्रतियोगिता को सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) का समर्थन प्राप्त है। यह संस्करण न केवल नेशनल चैंपियनशिप सीरीज़ का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ सर्फरों के लिए कीमती रैंकिंग अंक अर्जित करने का भी अवसर है।तीन दिन की प्रतियोगिता में 50 से अधिक शीर्ष सर्फर हिस्सा लेंगे, जो चार श्रेणियों में मुकाबला करेंगे- मेन्स ओपन, विमेन्स ओपन, अंडर-16 (लड़के) और अंडर-16 (लड़कियां)। इस बार की मुख्य झलकियों में से एक है डिफेंडिंग नेशनल चैंपियन रमेश बुडिहाल और किशोर कुमार की वापसी, जो पिछले संस्करण से चूक गए थे, लेकिन इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे। वे हरीश मुथु, कमली पी, अजीश अली, श्रीकांत डी और संजय सेल्वमणि जैसे शीर्ष सर्फरों के साथ मैदान में उतरेंगे, जिन्होंने 2024 में एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप और मरुहाबा कप जैसे प्रतिष्ठित इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया था। इन खिलाड़ियों के योगदान से भारत ने पिछले साल एशिया में 5वां स्थान हासिल किया और एची-नागोया 2026 एशियन गेम्स के लिए दो कोटा भी सुनिश्चित किए। इस वर्ष की प्रतियोगिता को और रोमांचक बनाता है लहरों का पूर्वानुमान, जिसमें 10 से 12 फीट ऊंची लहरों की संभावना जताई गई है। ये विशाल लहरें सर्फरों की तकनीक, सहनशक्ति और रणनीति की कड़ी परीक्षा लेंगी। अरब सागर में चक्रवाती गतिविधि और अस्थिर मौसम के चलते समुद्र की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है, जिससे कार्यक्रम की समय-सारणी भी प्रभावित हो सकती है। बढ़ती चुनौती का असर राष्ट्रीय रैंकिंग पर भी पड़ेगा, खासकर जब एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2025 निकट है, जो 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालीफायर भी है। इस साल की प्रतियोगिता मूल रूप से ससीहितलू बीच पर आयोजित की जानी थी, लेकिन मौसम और लहरों की अनुकूल स्थिति न होने के कारण इसे टन्नीभावी इको बीच स्थानांतरित कर दिया गया। वर्षों से इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का पर्याय बन चुका ससीहितलू इस बार मेज़बान नहीं रहेगा, लेकिन नया स्थल समान लहर गुणवत्ता के साथ-साथ खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्फ क्लब के निदेशक राममोहन परांजपे ने कहा, हम मंगलुरु के तट पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग लेकर आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 10-12 फीट की लहरों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति इस प्रतियोगिता को बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी। इस आयोजन से पहले, स्थानीय स्तर पर ग्रोम सर्च पहल के अंतर्गत कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र की अगली पीढ़ी की सर्फिंग प्रतिभाओं को उभारना है।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

बोट राइट के दौरान

प्रियंका चोपड़ा

संग रोमांटिक हुए निक, एकटक बीवी को प्यार से निहारते दिखे, तस्वीर हुई...

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा आज हॉलीवुड में भी खास पहचान बना चुकी हैं। प्रियंका ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। प्रियंका ने हॉलीवुड सिंगर निक जोनस से शादी की है। प्रियंका और निक की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं। निक और प्रियंका हमेशा ही कपल गोल्स सेट करने का कोई मौका कभी नहीं छोड़ते हैं। अक्सर ही इन दिनों की रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर सामने आती रहती हैं, जिन्हें इनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। ऐसे में अब इन जोड़े की एक और रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ को प्यार से निहारते नजर आ रहे हैं।

प्रियंका को एकटक निहारते दिखे निक

दरअसल प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मिस्टर हसबैंड निक जोनस संग रोमांटिक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में दोनों रोमांटिक बोट राइडिंग का मजा लेते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के बैकग्राउंड में समंदर का गहरा पानी और ऊंची बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। लेकिन इस तस्वीर में अगर फैंस का ध्यान किसी चीज ने सबसे ज्यादा खींचा तो वो था निक का प्रियंका को प्यार से निहारना। बोट पर बैठकर जहां एक्ट्रेस इस खूबसूरत नजारे का आनंद उठा रही हैं। वहीं, निक एकटक प्रियंका को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान प्रियंका हल्की सी मुस्कान के साथ कैमरे के सामने पोज देते हुए बेहद खूबसूरत लग रही है।

निक-प्रियंका की एक बेटी है

बता दें कि निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में धूमधाम से शादी की थी। दोनों ने क्रिश्चियन वेडिंग के साथ ही हिंदू रीति रिवाज से भी ग्रैंड शादी की थी। शादी के करीब तीन साल बाद, सरोगेसी के जरिए उन्होंने एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम कपल ने मालती रखा। दोनों अक्सर अपनी बेटी मालती के साथ वक्त बिताते और खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करती रहते हैं।

जल्द नजर आएंगी इन फिल्मों में

प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही एसएस राजामौली के साथ काम करते नजर आएंगी। इसमें वो महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ देखेंगी। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी।

सलमान-कटरीना की 'महा बकवास' फिल्म, 20 करोड़ भी नहीं कमाए, मेकर्स ने उड़ाए थे 45 करोड़

सलमान खान और कटरीना कैफ की जोड़ी बड़े पर्दे की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकारों ने साथ में आधा दर्जन फिल्में की हैं और इस जोड़ी को रुपहले पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला है. दोनों की कई फिल्मों ने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड ब्रेक किए और नए रिकॉर्ड भी बनाए. हालांकि सलमान और कटरीना की एक फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी. यहां बात हो रही है साल 2008 में आई फिल्म 'युवराज' की. युवराज ने फैंस को इस कदर निराश किया कि ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं कर्मा पाई थी और सलमान-कटरीना के करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बन गई.

45 करोड़ रुपये था बजट

सलमान खान और कटरीना कैफ की युवराज 17 साल पहले 21 नवंबर 2008 को रिलीज हुई थी. कई फैंस को तो दोनों की इस फिल्म का नाम तक पता नहीं होगा. फिल्म का हिस्सा अनिल कपूर और जायेद खान जैसे स्टार्स भी थे. इसका डायरेक्शन सुभाष घई ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. सुभाष घई ने इस फिल्म पर 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे.

सिर्फ 16 करोड़ हुई थी कमाई

युवराज में फैंस को न ही सलमान और कटरीना की जोड़ी पसंद आई और न ही इसकी कहानी. बॉक्स ऑफिस पर ये पिक्चर बुरी तरह पिट गई थी. टिकट खिड़की पर इसकी शुरुआत बेहद धीमी रही और ये अपनी पकड़ भी नहीं बना पाई. भारत में सिर्फ 2.72 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली युवराज ने इंडियन बॉस ऑफिस पर टोटल 16.67 करोड़ की कमाई की थी और बजट का आधा अभी नहीं वसूल पाई. वहीं वर्ल्डवाइड ये आंकड़ा 28.82 करोड़ रुपये तक पहुंचा था. ऐसे में सलमान और कटरीना की ये पिक्चर डिजास्टर साबित हुई.

इन फिल्मों में भी सलमान-कटरीना ने शेयर की स्क्रीन

सलमान खान और कटरीना कैफ ने युवराज के अलावा 'मैंने प्यार क्यों किया', 'पार्टनर', 'टाइगर 3', 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है' और 'भारत' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन शेयर की है. वैसे आपको बता दें कि रील लाइफ के अलावा दोनों रियल लाइफ केमिस्ट्री को लेकर भी चर्चा में रहे हैं. दोनों ने एक दूसरे को डेट लिया था. हालांकि जल्द ही कटरीना और सलमान अलग हो गए थे.

कैसी एक्ट्रेस है, चुप नहीं रह सकती क्या? पहली मुलाकात में काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख खान

बॉलीवुड में बड़े पर्दे पर शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी काफी पसंद की गई है. दोनों कलाकारों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और दोनों की लगभग सभी फिल्में सफल रही हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शाहरुख और काजोल की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी? दोनों की पहली मुलाकात नोक झोक से भरी थी. जहां काजोल, शाहरुख को खड़ूस समझती थीं तो वहीं शाहरुख को काजोल का ज्यादा बोलना पसंद नहीं था. काजोल के ज्यादा बोलने के चलते शाहरुख उनसे चिढ़ गए थे और ये तक कह दिया था कि ये कैसी एक्ट्रेस है? चुप नहीं रह सकती क्या?

'बाजीगर' के दौरान पहली बार मिले

शाहरुख खान और काजोल ने पहली बार साथ में 1993 की फिल्म 'बाजीगर' में काम किया था. इसी फिल्म के सिलसिले में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी. दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का जिक्र एबीपी न्यूज के साथ बातचीत में किया था. शाहरुख ने बताया था कि 1 जनवरी से बाजीगर की शूटिंग शुरू हुई थी और वो दोनों नए साल की पार्टी के बाद मिले थे. पार्टी के तुरंत बाद सब शूटिंग के लिए पहुंच गए थे.

काजोल से चिढ़ गए थे शाहरुख

बाजीगर के सेट पर काजोल बहुत ज्यादा तेज आवाज में बात कर रही थीं और ये चीज शाहरुख को बिलकुल पसंद नहीं आई. अभिनेता ने इसे लेकर काजोल से शिकायत भी की थी. शाहरुख ने इंटरव्यू में बताया था, मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट से भी बोला था कि वो किस तरह की एक्ट्रेस है, क्या कुछ समय के लिए चुप नहीं रह सकती?'

काजोल को खड़ूस लगते थे शाहरुख

जहां शाहरुख, काजोल के ज्यादा और तेज आवाज में बोलने के चलते परेशान थे तो वहीं काजोल ने शाहरुख खान को खड़ूस समझा था. काजोल के मुताबिक पहली मुलाकात में उन्हें शाहरुख खास पसंद नहीं आए थे. पहली मुलाकात में शाहरुख से काजोल नाखुश थीं.

इन फिल्मों में साथ में किया काम

'बाजीगर' 1993 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इसके बाद दोनों को 1995 की फिल्म 'करण अर्जुन' में देखा गया था. ये पिक्चर सुपरहिट निकली. हालांकि दोनों की जोड़ी को सबसे ज्यादा 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में पसंद किया गया. ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकस्टर रही. इनके अलावा दोनों ने 'कभी खुशी कभी गम', 'कुछ कुछ होता है', 'माय नेम इज खान' और 'दिलवाले' में भी स्क्रीन शेयर की थी.

अरबाज खान से तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था?

मलाइका अरोड़ा

ने खुद सुनाई थी पूरी कहानी

अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा कभी बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल में से एक थे. हालांकि दोनों ने करीब आठ साल पहले अपना रिश्ता खत्म करके फैंस को तगड़ा झटका दे दिया था. दोनों ने साल 2017 में अपनी 19 साल पुरानी शादी तलाक के साथ खत्म कर ली थी. अपने तलाक को लेकर मलाइका और अरबाज दोनों ही कई मौकों पर बात कर चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि तलाक से पहले वाली रात क्या हुआ था? आइए आपको बताते हैं कि इसे लेकर खुद मलाइका ने क्या कुछ कहा था?

तलाक से पहले मलाइका को क्या सलाह मिली?

मलाइका अरोड़ा ने तलाक के बाद करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमेन वांट' में खुलकर बात की थी. करीना ने मलाइका से पूछा था कि तलाक के दौरान उन्हें परिवार के लोगों और दोस्तों से क्या सलाह मिली थी? इसके जवाब में मलाइका ने कहा था, मुझे लगता है कि सबकी पहली राय यही थी कि मत करना, कोई नहीं कहेगा कि जाओ करो. तो पहली चीज जो थी कि मत करना, सोच समझकर करना.

तलाक के पहले वाली रात क्या हुआ था?

करीना कपूर के सामने मलाइका ने ये भी बताया था कि जिस दिन तलाक की अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई होनी थी उससे पहले वाली रात क्या हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा था, तलाक से ठीक पहले की रात पूरा परिवार मेरे साथ बैठा और एक बार फिर पूछा, 'क्या तुम श्योर हो. क्या तुम 100 फीसदी अपने फैसले पर टिकी हो? मैं ये लंबे समय से सुनती आ रही थी और मुझे लगता था कि ये वो लोग हैं, जो मेरी चिंता और परवाह करते हैं. इसलिए वो जरूर ये कहेंगे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी. इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था. करीब पांच साल की डेटिंग के बाद दोनों ने साल 1998 में शादी रचा ली थी. वहीं दोनों ने 2002 में बेटे अरहान खान का वेलकम किया था. लेकिन 2017 में तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली.

अरबाज ने फिर 2023 में शूरा खान से दूसरी शादी कर ली थी. जबकि मलाइका ने दूसरी बार घर नहीं बसाया.